वर्ष-11 अंक-38 पृष्ठ-8 मूल्यः 3 रुपये

प्रयागराज, सोमवार 14 अप्रैल 2025

TM

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार

प्रयागराज से प्रकाशित एवं सम्पूर्ण भारत वर्ष में प्रसारित

Download From Google Play

Adhunik Samachar

आधुनिक समाचार नेटर्वक

11 YEARS ANNIVERSARY

संक्षिप्त समाचार

ट्रंप के ताजा आदेश से अप्रवासियों की और बढ़ी मुश्किलें, अब 24 घंटे पहचान पत्र रखना हुआ जरूरी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। नियमों के तहत 14 साल से ज्यादा उम्र के सभी अप्रवासियों को सरकार के समक्ष पंजीकरण कराना होगा और 14 साल से कम उम्र के बच्चों का पंजीकरण उनके माता-पिता को कराना होगा। 11 अप्रैल के बाद अमेरिका में आने वाले सभी अप्रवासियों को 30 दिनों के भीतर खुद का पंजीकरण कराना होगा। डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन के नए नियम से अमेरिका में रह रहे अप्रवासियों की मुश्किलें और बढ़ गई हैं। दरअसल अब सभी अप्रवासियों को 24 घंटे अपने कानूनी दस्तावेज और पहचान पत्र साथ रखने होंगे। राष्ट्रपति ट्रंप का नया कार्यकारी आदेश 'अतिक्रमण से अमेरिकी लोगों की सुरक्षा' 11 अप्रैल से लागू हो गया है। इसका उद्देश्य अमेरिका में रह रहे अवैध अप्रवासियों को पकड़ना और उन्हें निर्वासित करना है। अमेरिका में एलियन रजिस्ट्रेशन रिक्वायरमेंट कानून साल 1940 से मौजूद है, जिसके तहत अमेरिका में रहने वाले सभी अप्रवासियों को पंजीकरण कराना होता है, लेकिन अभी तक इस कानून का सख्ती से पालन नहीं हो रहा था। अब ट्रंप के नए कार्यकारी आदेश के बाद इस कानून का सख्ती से पालन किया जाएगा। व्हाइट हाउस की सचिव कैरोलिन लेविट ने बयान जारी कर कहा है।

बई हमले से पहले रक्षा कॉलेज पर हमला चाहते थे दोनों पाकिस्तानी मेजर, 25,000 डॉलर में सौदा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

मुंबई। मुंबई में आतंकी हमलों के मुख्य साजिशकर्ता तहव्वुर राणा से पूछताछ के लिए सवालों की लंबी सूची तैयार है। 26/11 के मुंबई हमले में पड़ोसी मुल्क 'पाकिस्तान' की भूमिका का सबूतों सहित खुलासा हो सकता है। इस साथ ही ये भी कयास लगाए जा रहे हैं कि, कुछ जगहों पर लेकर जाकर उससे पूछताछ की जा सकती है। प्रत्यर्पण के बाद तहव्वुर राणा को अदालत में पेश किया गया, जहां उसे 18 दिन के एनआईए के रिमांड में भेज दिया गया। एनआईए ने मुंबई हमलों के आरोपी राणा से पूछताछ शुरु कर दी है। संभव है कि उसे मुंबई में भी कुछ जगहों पर ले जाया जाए। विश्वस्त सूत्रों के मुताबिक, राणा बताएगा कि मुंबई हमले में पाकिस्तानी सेना के दो मेजर 'अब्दुल रहमान पाशा' और 'इकबाल' की भूमिका क्या रही थी। मुंबई अटैक से पहले ये दोनों मेजर, दिल्ली के राष्ट्रीय रक्षा कॉलेज पर हमले की मंशा पाले थे। उनके खतरनाक इरादों में एक ही छत के नीचे ज्यादा से ज्यादा 'ब्रिगेडियर और जनरलों' को मारना था। मेजर इकबाल ने मुंबई हमलों के प्रमुख साजिशकर्ता डेविड हेडली को 25,000 यूएस डॉलर दिए थे। मकसद, मुंबई के ताज होटल सहित

भारत के दूसरे हिस्सों की जासूसी कराना था। इनमें रिसर्च इंस्टिट्यूट भी शामिल थे। ये बातें हेडली का करीबी 'तहव्वुर राणा' जानता था। सूत्रों के मुताबिक, डेविड हेडली ने सितंबर 2006 में मुंबई का दौरा किया था। पाकिस्तानी मेजर इकबाल ने उसे कुछ जगहों की निगरानी करने के लिए एक मैप भी दिया था। हेडली ने इकबाल को दक्षिण मुंबई में स्थित होटल 'ताज' की लोकेशन और उसका वीडियो सौंपा था। ये दस्तावेज, हेडली ने पाकिस्तान जाकर मेजर इकबाल को दिए थे। जासूसी वाली जगहों की सूची में नई दिल्ली स्थित राष्ट्रीय रक्षा कॉलेज को भी शामिल किया गया। इकबाल ने हेडली से कहा था कि यदि सेना कॉलेज पर हमला सफल रहा तो वे अधिक ब्रिगेडियर और जनरलों को मार सकते हैं। इस तरह की प्लानिंग हेडली कर रहा था, लेकिन बहुत सी बातें राणा जानता था। वह हेडली का सहयोगी नहीं, बल्कि मित्र भी था। हेडली ने खुद मुंबई की अदालत में ये बातें बताई थी। डेविड हेडली ने दावा किया था कि पाकिस्तानी मेजर इकबाल के इरादे बहुत खतरनाक थे। उसकी नजर भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र और मध्य मुंबई में स्थित राजनीतिक पार्टी शिवसेना के कार्यालय 'सेना भवन' पर थी। मेजर पाशा ने उसे इस काम के लिए 80,000 रुपये भी दिए थे। हेडली ने राणा की एजेंसी को अपने मकसद के लिए इस्तेमाल किया। मुंबई हमले की प्लानिंग के लिए डेविड हेडली और पाशा, नियमित संपर्क में थे। हेडली ने अपनी गवाही में ये बात कही थी। मुंबई के 26/11 आतंकी हमलों में पाकिस्तान के दो मेजर ही नहीं, बल्कि वहाँ के दूसरे बड़े लोग भी शामिल रहे थे। आतंकी संगठन 'लश्कर-ए-तैयबा' और पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी 'आईएसआई' की प्लानिंग से संबंधित ईमेल व अन्य पत्राचार, ऐसे सबूत मुंबई की अदालत के समक्ष पेश किए गए थे। अब तहव्वुर राणा के प्रत्यर्पण से भारत को पाकिस्तान के सुरक्षा तंत्र सहित वहां के बड़े लोगों की संलिप्तता के बारे में अधिक जानकारी मिल सकती है। मुंबई की एक सत्र अदालत ने कई वर्ष पहले 26/11 मुंबई आतंकी हमलों के केस में पाकिस्तान के दोनों मेजर अब्दुल रहमान पाशा और इकबाल के खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी किए थे। बताया जा रहा है कि अब्दुल रहमान पाशा सेवानिवृत्त हो चुका है।

गेहूं की फसल के लिए ओजोन प्रदूषण बेहद घातक, पैदावार में 20 फीसदी तक की गिरावट की आशंका

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। सतह के समीप बढ़ता हुआ ओजोन स्तर भारतीय कृषि के लिए एक नया खतरा बन सकता है, जिससे गेहूं, मक्का और धान जैसी प्रमुख फसलों की उपज में कमी आ सकती है। यदि ओजोन प्रदूषण पर नियंत्रण नहीं किया गया, तो गेहूं की पैदावार में 20ज़् तक गिरावट हो सकती है। एक अध्ययन में यह बात कही

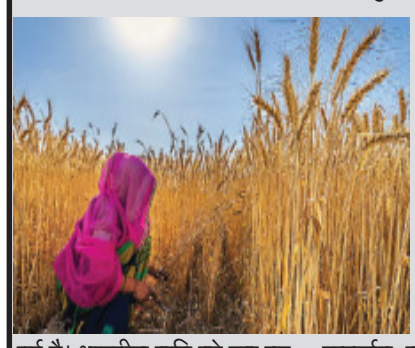

गई है। भारतीय कृषि को एक नए और चुपके से उभरते खतरे का सामना करना पड़ रहा है और यह है सतह के समीप बढ़ता हुआ ओजोन स्तर। आईआईटी खड़गपुर के वैज्ञानिकों के एक अध्ययन में यह चेतावनी दी गई है कि ओजोन प्रदूषण गेहूं, मक्का और धान जैसी प्रमुख खाद्यान्न फसलों के उत्पादन पर नकारात्मक असर डाल सकता है।शोधकर्ताओं के मुताबिक, सतही ओजोन एक शक्तिशाली ऑक्सीडाइजिंग एजेंट है जो पौधों की पत्तियों और ऊतकों को क्षति पहुंचाता है, जिससे उनकी वृद्धि बाधित होती है और फसल की उपज घट जाती है। हालांकि, ऊपरी वायुमंडल में ओजोन परत हमारी रक्षा करती है, लेकिन जमीन के पास मौजूद ओजोन स्वास्थ्य के साथ-साथ वनस्पति और जैवविविधता के लिए खतरनाक साबित हो रही है। इसका निर्माण मुख्य रूप से मानवीय गतिविधियों से उत्पन्न प्रदूषकों के सूर्य की रोशनी के संपर्क में आने से होता है।आईआईटी खड़गपुर की टीम ने जलवायु मॉडल के आंकड़ों और ऐतिहासिक डाटा की मदद से यह अनुमान लगाने की कोशिश की है कि अगर ओजोन का स्तर इसी तरह बढ़ता रहा, तो भविष्य में इसका कृषि पर क्या असर पड़ेगा। अध्ययन के निष्कर्ष बताते हैं कि यदि उत्सर्जन पर नियंत्रण के लिए प्रभावी कदम नहीं उठाए गए तो गेहूं की पैदावार में 20 फीसदी तक की अतिरिक्त गिरावट हो सकती है, जबकि धान और मक्का की उपज में भी लगभग 7 फीसदी की कमी आने की संभावना है। यह शोध प्रोफेसर जयनारायणन कुट्टिपुरथ के नेतृत्व में किया गया और इसे एनवायर्नमेंटल रिसर्च नामक जर्नल में प्रकाशित किया गया है। शोध से यह भी सामने आया है कि गंगा के मैदानी क्षेत्र और मध्य भारत में फसलों पर सबसे ज्यादा असर पड़ सकता है, क्योंकि इन इलाकों में सतही ओजोन का स्तर सुरक्षित सीमा से छह गुना ज्यादा हो सकता है।

कर्नाटक में ओबीसी आरक्षण बढ़ाकर 51 फीसदी करने की सिफारिश, कुल कोटा हो सकता है

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। कर्नाटक की सिद्धारमैया सरकार के सामने जाति जनगणना आयोग ने अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के लिए आरक्षण को 32ज़् से बढ़ाकर 51ज़् करने की सिफारिश की है। अगर राज्य सरकार इस रिपोर्ट को लागू करती

है तो राज्य में कुल आरक्षण बढ़कर 85ज़् हो जाएगा। कर्नाटक में जाति जनगणना आयोग ने आरक्षण प्रणाली को लेकर राज्य सरकार को एक बड़ा सुझाव दिया है। आयोग ने शिक्षा और नौकरियों में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के लिए आरक्षण को 32ज़् से बढ़ाकर 51ज़् करने की सिफारिश की है। रिपोर्ट के अनुसार अगर यह प्रस्ताव लागू होता है, तो राज्य में कुल आरक्षण बढ़कर 85ज़् हो जाएगा। बता दें कि इसमें पहले से ही आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (इडब्लूएस) के लिए 10ज़् और अनुसूचित जाति/जनजाति (एससी/एसटी) के लिए 24ज़् आरक्षण शामिल है। इसके साथ ही, महिलाओं, दिव्यांगों जैसे समूहों को मिलने वाला क्षैतिज आरक्षण भी लागू रहेगा। (यहां क्षैतिज आरक्षण का अर्थ जो आरक्षण महिलाओं, विकलांग (दिव्यांग) व्यक्तियों, भूतपूर्व सैनिकों आदि के लिए होता है) आयोग द्वारा यह सिफारिश हाल ही में कराए गए सामाजिक-आर्थिक और शिक्षा सर्वेक्षण (जिसे जाति जनगणना भी कहा जाता है) के आधार पर की गई है। इस सर्वे के मुताबिक कर्नाटक में पिछड़े वर्गों की आबादी करीब 70ज़् है। पैनल का मानना है कि अगर इतनी बड़ी आबादी को उनकी संख्या के हिसाब से सरकारी सुविधाएं और आरक्षण नहीं दिया गया, तो समानता नहीं हो पाएगी। मामले में पैनल का मानना है कि हालांकि ओबीसी की जनसंख्या 69.6ज़् है, फिर भी राज्य की आधी से भी कम आबादी को आरक्षण मिल पा रहा है। अगर आबादी के अनुपात में आरक्षण नहीं दिया गया, तो सरकारी लाभों का समान वितरण नहीं होगा। गौरतलब है कि बहुप्रतीक्षित सामाजिक-आर्थिक और शिक्षा सर्वेक्षण रिपोर्ट बीते शुक्रवार को कर्नाटक कैबिनेट के समक्ष पेश की गई। इस रिपोर्ट को 'जाति गणना' के नाम से भी जाना जाता है। इसके बाद मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि कुछ मंत्रियों ने कहा कि वे पहले सिफारिशों पर विचार करना चाहते हैं। इस कारण 17 अप्रैल को कैबिनेट की बैठक होगी। कर्नाटक के कानून और संसदीय मामलों के मंत्री एचके पाटिल ने कहा कि यह निर्णय किया गया है कि 17 अप्रैल को एक विशेष कैबिनेट बैठक में जाति जनगणना पर चर्चा की जाएगी।

इतालवी विदेश मंत्री ने राष्ट्रपति से की मुलाकात, द्विपक्षीय व्यापार सहित अहम मुद्दों पर बात

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। इटली के विदेश मंत्री एंटोनियो तजानी से मुलाकात के दौरान राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि भारत-इटली के बीच व्यापार, तकनीक, रक्षा और शिक्षा सहित कई क्षेत्रों में सहयोग की अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने इतालवी कंपनियों को भारत में निवेश और साझेदारी के लिए आमंत्रित किया, खासकर विनिर्माण व हरित प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शनिवार को कहा कि भारत और इटली के बीच द्विपक्षीय व्यापार में वृद्धि की अपार संभावनाएं हैं। मुर्मू ने इटली के उप-प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री एंटोनियो तजानी का स्वागत करते हुए यह टिप्पणी की, जो राष्ट्रपति भवन में एक

प्रतिनिधिमंडल के साथ उनसे मिलने आए थे।राष्ट्रपति ने कहा कि भारत और इटली दोनों ही प्राचीन सभ्यतागत विरासत में निहित हैं। दर्शन, साहित्य और कला के माध्यम से दुनिया को योगदान देने का हमारा गौरवशाली इतिहास है। उन्होंने जोर देकर कहा कि भारत और इटली सदियों से व्यापार और लोगों तथा विचारों के आदान-प्रदान के माध्यम से एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं। राष्ट्रपति ने कहा, भारत की तीव्र आर्थिक वृद्धि और 2047 तक 'विकसित भारत' का रोडमैप औद्योगिक साझेदारी और सहयोग के लिए अनेक मौके प्रदान करता है। उन्होंने इतालवी कंपनियों और सार्वजनिक उपक्रमों को भारत में अपने परिचालन का विस्तार करने के लिए आमंत्रित किया, विशेष रूप से विनिर्माण और सह-उत्पादन के लिए।

सुप्रीम कोर्ट संविधान संशोधन करेगा तो सदन किसलिए हैं: केरल राज्यपाल के बयान पर छिड़ी रार

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। राज्यपाल ने कहा कि 'अगर सब कुछ माननीय अदालतों द्वारा तय किया जाता है, तो संसद

की जरूरत खत्म हो जाती है। यह न्यायपालिका का अतिक्रमण है। सुप्रीम कोर्ट को इस मामले को बड़ी बेंच को सौंपना चाहिए था न कि खंडपीठ इस पर फैसला लेती।'सुप्रीम कोर्ट ने अपने हालिया फैसले में राष्ट्रपति को तीन महीने में विधेयक पर फैसला लेने की सलाह दी है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि अगर तीन महीने की समयसीमा में राष्ट्रपति फैसला नहीं लेते हैं तो उन्हें इसकी वाजिब वजह बतानी होगी। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के चलते राज्यपाल भी अनिश्चित समय तक विधेयक को लंबित नहीं रख सकेंगे। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले की केरल के राज्यपाल राजेंद्र आर्लेकर ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि अगर संविधान संशोधन का काम भी सुप्रीम कोर्ट करेगा तो फिर संसद और विधानसभाएं किस लिए हैं।केरल राज्यपाल के इस बयान पर राजनीति गरमा गई है और कांग्रेस और केरल की सत्ताधारी पार्टी सीपीआईएम ने राज्यपाल की आलोचना की है। सीपीआईएम के महासचिव एमए बेबी ने राज्यपाल के बयान को अवांछित बताया और कांग्रेस के महासचिव केसी वेणुगोपाल ने आर्लेकर के बयान को दुर्भाग्यपूर्ण बताया। कोझिकोड में एक कार्यक्रम के दौरान केसी वेणुगोपाल ने कहा कि राज्यपाल, सुप्रीम कोर्ट के फैसले की आलोचना इसलिए कर रहे हैं क्योंकि उन्हें डर है कि अब भाजपा का एजेंडा खुलकर सामने आ जाएगा। उन्होंने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण कि केरल के राज्यपाल सुप्रीम कोर्ट के फैसले के खिलाफ हैं। सीपीआईएम नेता एमए बेबी ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट का फैसला सभी पर लागू होगा, जिसमें राष्ट्रपति भी शामिल हैं। जब राष्ट्रपति संसद के विधेयक में देरी नहीं कर सकते तो फिर राज्यपाल के पास वो अधिकार कैसे हो सकता है, जो राष्ट्रपति के पास नहीं हैं? बेबी ने कहा कि सभी राज्यपालों को सुप्रीम कोर्ट के फैसले को स्वीकार करना चाहिए, लेकिन केरल राज्यपाल के बयान से साफ है कि उन्हें यह स्वीकार नहीं है।

त्रिपुरा में वक्फ कानून के विरोध में हिंसक प्रदर्शन, 18 पुलिस कर्मी घायल; आठ प्रदर्शनकारी गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। त्रिपुरा के उनाकोटी जिले में शनिवार को वक्फ कानून वापस लेने की मांग को लेकर हिंसक

प्रदर्शन हुआ। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस कर्मियों के साथ हाथापाई की और उन पर पथराव किया। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस कर्मियों पर बोतलें भी फेंकी। जिसके चलते पुलिस ने लाठीचार्ज किया और आंसू गैस के गोले भी दागे। त्रिपुरा के उनाकोटी जिले में शनिवार को वक्फ कानून वापस लेने की मांग को लेकर विरोध रैली निकाली गई। इस दौरान भीड़ हिंसक हो गई और पुलिस पर पथराव किया। लोगों ने पुलिस पर बोतलें भी फेंकी। प्रदर्शनकारियों की पुलिस कर्मियों के साथ हाथापाई हुई। इस दौरान एक एसडीपीओ समेत 18 पुलिस कर्मी घायल हो गए। पुलिस ने हमले में कथित संलिप्तता के लिए आठ प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार कर लिया है। त्रिपुरा के उनाकोटी जिले में शनिवार को वक्फ कानून वापस लेने की मांग को लेकर विरोध रैली निकाली गई। इस दौरान भीड़ हिंसक हो गई और पुलिस पर पथराव किया।

भाजपा-अन्नाद्रमुक गठबंधन का लोकसभा-राज्यसभा में क्या असर

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। तमिलनाडु में आगामी विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा और एआईएडीएमके के बीच गठबंधन हो गया है। इसका एलान चेन्नई दौरे पर पहुंचे केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने किया था। अन्नामलाई

और एआईएडीएमके नेता ईके पलानीस्वामी के साथ प्रेसवार्ता में शाह ने कहा था कि हम 2026 का चुनाव मिलकर लड़ेंगे। तमिलनाडु में भाजपा-अन्नाद्रमुक गठबंधन का एलान शुक्रवार शाम गृह मंत्री अमित शाह ने किया था। पूर्व मुख्यमंत्री एडप्पादी के. पलानीस्वामी ने गठबंधन के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को धन्यवाद दिया। उम्मीद जताई जा रही है कि यह गठबंधन अगले साल के तमिलनाडु चुनाव से पहले एक मजबूत कैडर और मतदाता आधार तक पहुंच सुनिश्चित करेगा। हालांकि, 2021 के विधानसभा और 2024 के लोकसभा चुनावों में सत्तारूढ़ द्रमुक-कांग्रेस गठबंधन के सामने यह गठजोड़ कुछ खास प्रदर्शन नहीं कर सका था, लेकिन एक अहम बात यह है कि यह गठबंधन भाजपा को राज्यसभा में बढ़त दिला सकता है। राज्यसभा में अन्नद्रमुक के चार सांसद हैं। ऐसे में भाजपा को उच्च सदन में गणितीय बढ़त मिलती है। इससे भाजपा संसद में और मजबूत हो सकती है।भाजपा के नेतृत्व वाले गठबंधन को पहले से ही लोकसभा में पूर्ण बहुमत है। अब अन्नाद्रमुक से गठबंधन के बाद वह राज्यसभा में खुद को मजबूत कर रही है। इससे भाजपा नीत एनडीए गठबंधन को विधेयकों को पारित कराने में मदद मिल सकेगी। यह गठबंधन ऐसे वक्त हो रहा है, जब सरकार अगले संसद सत्र में 'एक राष्ट्र-एक चुनाव' विधेयक को पारित कराने की कोशिश कर सकती है। हाल ही में सरकार ने संसद से वक्फ कानूनों में बदलावों को पास कराया था। अब उसके निशाने पर है- 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' विधेयक। यह प्रधानमंत्री मोदी की एक प्रमुख पहल है। इसे आगे बढ़ाना सरकार की प्राथमिकता होगी। राज्यसभा में कुल 245 सदस्य हैं। इनमें नौ सीटें खाली हैं। इसका मतलब है कि प्रभावी संख्या केवल 236 ही है। ऐसे में बहुमत का आंकड़ा 119 होता है। अन्नाद्रमुक से गठबंधन के बाद भाजपा इस आंकड़े को पार कर सकती है। राज्यसभा में के चार सांसद हैं। उनके नाम हैं- सीवी षणमुगम, एम थंबीदुरई, एन. चंद्रशेखरन और आर. धर्मर। इन्हें मिलाकर भाजपा के नेतृत्व वाले सत्तारूढ़ गठबंधन के पास राज्यसभा में 123 सांसद हो जाएंगे। यह संख्या भी बढ़कर 124 हो सकती है, क्योंकि क्षेत्रीय तमिल पार्टी पीएमके के अंबुमणि रामदास का कार्यकाल जुलाई में समाप्त हो रहा है और विधानसभा की मौजूदा स्थिति के आधार पर को यह सीट भी मिल सकती है।

आंखें नहीं मूंद सकते', किस बात पर कोर्ट ने जताई नाराजगी; मुर्शिदाबाद में केंद्रीय बलों की तैनाती क्यों

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। बीते दिन कलकत्ता उच्च न्यायालय ने हिंसा से प्रभावित मुर्शिदाबाद में केंद्रीय बलों की तैनाती का आदेश दिया था। वक्फ कानून के खिलाफ चल रहे विरोध-प्रदर्शन के दौरान जिले के कई इलाकों में हिंसा हुई। इस दौरान तीन लोगों की मौत हुई और कई अन्य घायल हुए। आइए पूरे मामले को समझते हैं..कलकत्ता हाईकोर्ट ने शनिवार को कहा कि वह पश्चिम बंगाल के कुछ जिलों में हुई तोड़फोड़ की खबरों को नजरअंदाज नहीं कर सकता। इसके साथ ही कोर्ट ने मुर्शिदाबाद जिले में केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) की तैनाती का आदेश दिया। मुर्शिदाबाद जिले में कथित तौर पर वक्फ (संशोधन) अधिनियम के खिलाफ चल रहे विरोध प्रदर्शनों से जुड़ी हिंसक घटनाएं हुई हैं।कोर्ट ने कहा कि यह निर्देश केवल मुर्शिदाबाद जिले तक सीमित नहीं रहेगा। आवश्यकतानुसार इसे ऐसी ही स्थिति का सामना करने वाले अन्य जिलों में भी लागू किया जाना चाहिए। स्थिति को नियंत्रित करने और सामान्य हालात बहाल करने के लिए तत्काल केंद्रीय बलों की तैनाती की जा सकती है। न्यायमूर्ति

सौमेन सेन की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने कहा कि हम विभिन्न रिपोर्टों को नजरअंदाज नहीं कर सकते, जो प्रथम दृष्टया पश्चिम बंगाल राज्य के कुछ जिलों में हुई तोड़फोड़ को दर्शाती हैं। कोर्ट ने इस बात पर भी गौर किया कि मुर्शिदाबाद के अलावा दक्षिण 24 परगना जिले के अमतला, उत्तर 24 परगना जिले और हुगली के चंपदानी में भी घटनाएं हुई हैं। बता दें कि मुर्शिदाबाद में हुई झड़पों में कम से कम तीन लोग मारे गए और हिंसा के सिलसिले में 138 से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया गया है। मालदा से भी हिंसा की खबरें आईं। हिंसा के दौरान पुलिस वैन समेत कई वाहनों में आग लगा दी गई। सुरक्षा बलों पर पत्थर भी फेंके गए और सड़कें जाम कर दी गईं। पुलिस इन सभी जिलों में छापेमारी कर रही है।पीठ में न्यायमूर्ति राजा बसु चौधरी भी शामिल थे, जिन्होंने कहा, 'संवैधानिक न्यायालय मूकदर्शक बनकर नहीं रह सकते और जब लोगों की सुरक्षा खतरे में हो तो तकनीकी बचाव में उलझे नहीं रह सकते।' कोर्ट ने कहा, 'केंद्रीय सशस्त्र बलों की पहले से तैनाती से स्थिति में सुधार हो सकता था, क्योंकि ऐसा लगता है कि समय रहते पर्याप्त उपाय नहीं किए गए।' पीठ ने निर्देश दिया कि केंद्रीय बल राज्य प्रशासन के साथ सहयोग के साथ काम करेंगे। स्थिति को गंभीर और संवेदनशील मानते हुए कोर्ट ने कहा कि निर्दोष नागरिकों पर किए गए अत्याचारों को रोकने के लिए युद्धस्तर पर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए। अदालत का कर्तव्य नागरिकों की रक्षा करना है। प्रत्येक व्यक्ति को जीवन का अधिकार है। यह सुनिश्चित करना राज्य की जिम्मेदारी है कि प्रत्येक नागरिक का जीवन और संपत्ति सुरक्षित रहे।पीठ ने कहा, 'इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि पश्चिम बंगाल के विभिन्न हिस्सों में समुदायों के बीच हिंसा की घटनाएं लगातार होती रही हैं और आज तक व्याप्त अशांत स्थिति को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।' अदालत ने राज्य सरकार को स्थिति पर विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने का भी निर्देश दिया। मामले की अगली सुनवाई 17 अप्रैल को होगी।मुख्य न्यायाधीश ने न्यायमूर्ति सौमेन सेन और राजा बसु चौधरी की विशेष पीठ का गठन किया था। इसी पीठ ने पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी की ओर से जिले में केंद्रीय बलों की तैनाती की मांग वाली याचिका पर तत्काल सुनवाई की। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए पीठ ने शनिवार को अवकाश के दिन याचिका पर सुनवाई की।

जल का महत्व बताने के लिए लगाई गई चौपाल, किया गया श्रमदान

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

शहडोल। 12 अप्रैल 2025- जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत आज बुढार ब्लॉक के केशौरी ग्राम में चौपाल लगाई गई तथा श्रमदान किया गया। चौपाल में जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक श्री विवेक पांडेय द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान के विषय में विस्तार से जानकारी दिया गया, जल को किस प्रकार से संरक्षित करके उपयोग मे लाया जा सकता है इसके तरीकों को बताया गया और इसके लिए ग्राम वासियों से चर्चा किया गया, पीने योग्य जल कितनी मात्रा में है इसकी जानकारी दिया गया। साथ ही बताया गया कि ग्राम में स्थित कुआं, तालाब हैंडपंप के जल स्तर को कैसे बढ़ाया जा सकता है व बारिश के जल को किस प्रकार से संचय करके जल स्तर को अच्छा किया जा सकता है,पेयजल की सुविधा के लिए मटके रखे गए। साथ ही जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत श्री बजरंग विकास समिति से सुरेश मिश्रा, हनीफ, ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति के अध्यक्ष, मातृ शक्ति महिला मंडल से मीनू जैन, मेंटर आनन्द यादव, कैलाश पाण्डेय, दीप्ति पाण्डेय और ग्राम के सरपंच व ग्राम वासियों ने भी श्रमदान कार्य में अपना योगदान दिया।

जयंती की रूपरेखा को लेकर बीएसपी कार्यालय पर हुई बैठक

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। बहुजन समाज पार्टी के तत्वावधान में शनिवार स्थान जिला कार्यालय बहुजन समाज पार्टी एवं विश्व के छठे विद्वान भारत रत्न बोधिसत्व परम पूज्य डॉ भीमराव अंबेडकर साहब संविधान के तहत सर्व समाज के लोगों को जो जीने

रॉबर्ट्सगंज सोनभद्र में जिला अध्यक्ष रामचंद्र रत्ना के अध्यक्षता में जिला स्तरीय कार्यकर्ता बैठक सुनिश्चित की गई। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि हीरालाल सायन पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष सोनभद्र ने उपस्थित लोगों को बताया कि भारत रत्न बोधिसत्व डॉ भीमराव अंबेडकर के 134 में जयंती के शुभ अवसर पर बहुत आयत संख्या में 14 अप्रैल को जिला कार्यालय पर प्रातः 10:00 बजे से जनपद सोनभद्र के कोने-कोने से बहुजन समर्थक अपने-अपने संसाधन से उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाएंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे रामचंद्र रत्न जिला अध्यक्ष सोनभद्र ने बताया कि भारत के प्रथम विद्वान का अधिकार दिया है ऐसे महापुरुष के जयंती पर हम कोटि कोटिश्रद्धा का सुमन अर्पित करते हुए जनपद वासियों से अपील करते हैं कि उक्त शुभ अवसर पर प्रातः 10:00 बजे जिला कार्यालय पर उपस्थित होकर हंसी-खुशी वह धूमधाम से जयंती मनाया जाए उक्त कार्यक्रम में प्रीतम गिरी, सेकरार अहमद, रामविचार गौतम, रमेश कुशवाहा, प्रेमनाथ गौतम, प्रदीप पांडे, अवधेश विश्वकर्मा एडवोकेट, उमेश कुशवाहा, बाबूराम प्रजापति, राजू गुप्ता, विक्रम पटेल, शिव शंकर राव, पवन प्रधान सहित सैकड़ो लोग उपस्थित थे। उक्त कार्यक्रम का संचालन जिला महासचिव डॉक्टर रामावतार चौहान ने किया।

विभागध्यक्ष की संस्तुतियॉ एक माह के अन्दर लागू हों-सुशील त्रिपाठी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार उत्तर प्रदेश मिनिस्ट्रीयल कलेक्ट्रेट कर्मचारी संघ, उत्तर प्रदेश की प्रान्तीय कार्यकारिणी की त्रैमासिक बैठक व जनपद शाखा सोनभद्र की नवनिर्वाचित कार्यकारिणी का शपथग्रहण कार्यक्रम शनिवार को कलेक्ट्रेट स्थित सभाकक्ष में सम्पन्न हुआ। कलेक्ट्रेट पहुॅचने पर जिला अध्यक्ष राजीव कुमार शुक्ला एवं सभी

कर्मचारियों ने प्रान्तीय पदाधिकारियों का मुख्य द्वार पर जोरदार स्वागत एवं अभिनन्दन किया। त्रैमासिक बैठक व शपथग्रहण कार्यक्रम की अध्यक्षता सुशील कुमार त्रिपाठी, प्रान्तीय अध्यक्ष एवं कुशल संचालन अजीत उपाध्याय, प्रान्तीय महामंत्री द्वारा किया गया। बैठक में प्रान्तीय पदाधिकारीगण एवं 39 जनपद के जिला अध्यक्ष/जिला मंत्री/पदाधिकारीगण/साथियों द्वारा प्रतिभाग किया गया। संघ की 22 सूत्रीय मांग को पूर्ण कराये जाने हेतु प्रान्तीय संघ द्वारा चलाये जा रहे आन्दोलन को और प्रभावशाली बनाये जाने पर प्रान्तीय पदाधिकारीगण एवं विभिन्न जनपदों से पधारे जिला अध्यक्ष/जिला मंत्रीगण द्वारा विचार व्यक्त किये गये। प्रान्तीय अध्यक्ष द्वारा अपने सम्बोधन में राजस्व परिषद द्वारा संगठन की जिन मॉगों की संस्तुति यथा कलेक्ट्रेट को विशेष प्रतिष्ठा प्रदान कर ग्रेड वेतन उच्चीकृत किया जाना, उत्तर प्रदेश जिला कार्यालय (कलेक्ट्रेट) लिपिक वर्ग सेवा (द्वितीय संशोधन) नियमावली 2011 को पूर्ववत् लागू कराया जाना, नवसृजित जनपदों में ज्येष्ठ प्रशासनिक अधिकारी एवं नवसृजित तहसीलों में प्रशासनिक अधिकारी का पद सृजित किया जाना, कलेक्ट्रेट में लेखा का कार्य सम्पादित करने वाले पटल सहायकों को लेखा संवर्ग का वेतनमान दिये जाने सम्बन्धी संस्तुति शासन को पूर्व में ही प्रेषित की जा चुकी है, लेकिन वर्तमान सरकार द्वारा कोई निर्णय न लिया जाना कर्मचारियों को आन्दोलन को उद्देलित कर रहा है। अजीत उपाध्याय, प्रान्तीय महामंत्री द्वारा अपने सम्बोधन में कहा गया कि वर्तमान में प्रत्येक जनपद में स्वीकृत पदों के सापेक्ष लगभग 50 प्रतिशत पद रिक्त हैं, परन्तु सरकार द्वारा अपने ही निर्णय का पालन नहीं किया जा रहा है और आज तक रिक्त पदों पर भर्ती की प्रक्रिया पूर्ण नहीं किये जाने से कर्मचारी अत्यन्त मानसिक दवाब में हैं। वर्तमान में उत्तर प्रदेश की सरकार द्वारा अपने ही जारी शासनादेशों का पालन नहीं किया जा रहा है। मुख्य सचिव, उत्तर प्रदेश शासन द्वारा निर्गत शासनादेश, जिसके द्वारा प्रत्येक माह शासन, परिषद व जिला स्तर पर संघ के पदाधिकारियों के साथ बैठक किये जाने के निर्देश प्रदान किये गये हैं, का स्वयं शासन स्तर, परिषद स्तर पर अनुपालन नहीं किया जा रहा है। बैठक को प्रान्तीय उपाध्यक्ष राजीव कुमार श्रीवास्तव (जौनपुर), प्रान्तीय कोषाध्यक्ष ओमप्रकाश पाण्डेय (सिद्वार्थनगर), प्रान्तीय सम्प्रेक्षक विनय कुमार सिंह (गोरखपुर), प्रान्तीय प्रवक्ता नीरू सिंह (सहारनपुर), प्रान्तीय प्रचारक दुलीचन्द्र शर्मा (आगरा), प्रान्तीय जौनल मंत्री प्रेमसागर चौधरी (सिद्वार्थनगर), जिला अध्यक्ष बलिया कौशल कुमार उपाध्याय, जिला अध्यक्ष गौंडा मनमोहन अरोडा, जिला अध्यक्ष चन्दौली जफर अहमद आदि ने अपने सम्बोधन में कहा कि प्रान्तीय संघ द्वारा अब तक की गयी कार्यवाहियों से जनपद के साथी सन्तुष्ट हैं। राजस्व परिषद द्वारा संस्तुति की गयी मांगों पर शीघ्र निर्णय न होने की दशा में कठोर एवं प्रभावशाली आन्दोलन किया जाये। सभी वक्ताओं ने मण्डल अध्यक्ष रामलाल, विन्ध्याचल मण्डल व जनपद शाखा सोनभद्र के जिला अध्यक्ष राजीव कुमार शुक्ला, जिला मंत्री अनन्तराम व जुझारू साथिओं भगवान सिंह व अन्य साथियों द्वारा की गयी उत्तम व्यवस्था की भूरि-भूरि प्रशंसा किया। समस्त वक्ताओं के विचार सुनने के उपरान्त सुशील कुमार त्रिपाठी, प्रान्तीय अध्यक्ष द्वारा संघ की 22 सूत्रीय मांगों को पूर्ण कराये जाने हेतु आगामी समय में निम्नलिखित आन्दोलन किये जाने की घोषणा की गयी। राज्य सरकार को एक नोटिस दिया जाये कि एक माह के अन्दर मांगपत्र में अंकित जिन मांगों पर विभागाध्यक्ष की संस्तुति प्राप्त हो गयी है, का शासनादेश निर्गत न होने व अन्य मांगों पर प्रभावशाली कार्यवाही न होने पर बृहद्व आन्दोलन किया जायेगा।

पत्थर खदान में 25 परसेंट पट्टेदारी को लेकर अनिल कुमारी सिंह ने सन्तोष कुमार पुत्र माता प्रसाद के खिलाफ दिया गया तहरीर

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। ओबरा तहसील क्षेत्र में चल रहे पत्थर खदान अराजी सख्या 7407 के खिलाफ प्रार्थी अनिल सिंह पुत्र स्व0 अमर बहादुर सिंह निवासी ओबरा, पट्टा धारक संतोष कुमार पुत्र माता प्रसाद मकान न. 15/160, वार्ड 13, चूड़ी गली, ओबरा के साथ सहमति पत्र के अनुसार व साझेदारी अनुबंध के आधार पर पट्टे में 25 प्रतिशत, पट्टे सम्बन्धित सभी कार्यभार व अन्य और व्यवसायिक कार्य देखने का दायित्व ईमानदारी से निभा रहा है. खदान लीज होने के बाद से सभी कार्य व लेन देन सुचारू रूप से चल रहा था संतोष कुमार द्वारा विगत वर्ष कुछ आवश्यक कार्य बताकर हमारे हिस्से का पैसा अपने व्यक्तिगत कार्य में खर्च किए और कहा कि आगे इसका हिसाब करके आपके हिस्से का पैसा मै दे दूँगा। चूँकि प्रार्थी खदान सम्बधित सभी कार्य देख रहा है इसी कारण बाजार की काफी देनदारियों हो गयी है. इस देनदारियों के कारण प्रार्थी काफी मानसिक परेशान रहने लगा, जब प्रार्थी को लगने लगा कि सब कुछ ठीक हो गया है तो प्रार्थी इनके भाई गोविंद अग्रहरी के नवाडा पेट्रोल पम्प पर दिनांक 09.04.2025 को हिसाब किताब के लिए संतोष कुमार से बात चीत करने गया लेकिन वह मेरे पैसे का हिसाब किताब नही करना चाह रहे है जिसके कारण वहाँ पर आपस में काफी बहस भी हुआ प्रार्थी फिर अपने हिस्से का पैसा लगभग 3500000/- माँगने लगा तो यह लोग कहने लगे कि कुछ नही मिलेगा जो करना है वह कर लों, फिर प्रार्थी वहाँ से मायूस होकर वापस अपने घर आ गया। प्रार्थी इनके इस कृत्य से काफी मानसिक रूप से परेशान हो गया है और समाज में इनके कारण हम प्रार्थी की काफी बदनामी भी हो रही हैं। अपर पुलिस अधीक्षक कालू सिंह से सीयूजी नम्बर पर बात हुई तो उन्होंने कहा कि पट्टेदारी का मामला हैं जिमसें अनिल सिंह 25 -/- का हिस्सेदारी हैं जिसमे सन्तोष अग्रहरि द्वारा नही दिया जा रहा है जांच हेतु ओबरा इंस्पेक्टर को दिया गया हैं।

सरकार की योजनाओं को हर घर पहुंचने का काम कर रहे कार्यकर्ताः अजीत रावत

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। विधानसभा रॉबर्ट्सगंज ग्राम पंचायत सफरीपूर राजस्व गांव कुरन में भारतीय जनता पार्टी संगठन के महत्वपूर्ण कार्यक्रम गांवचलोअभियान के अंतर्गत घर घर जाकर लाभार्थियों से संपर्क कर उनको सम्मानित वह पत्रक देकर उत्तर प्रदेश सरकार के 8 साल पूर्ण होने पर योजनाओं के बारे में बताया त् ग्राम वासियों से अनुसूचित मोर्चा के क्षेत्रीय अध्यक्ष एवं सदर ब्लाक प्रमुख अजीत रावत द्वारा किया जा रहा है श्री रावत ने बताया कि जब भी पार्टी का कोई भी दायित्व कार्यक्रम दिया जाता है पूरी ईमानदारी और निष्ठा के साथ पार्टी की सेवा घर-घर तक पहुंच कर करने का कार्य करते हैं। शनिवार को सरकार के 8 साल बेमिसाल योजनाओं को घर-घर तक पहुंचाते हुए लोगों को योजनाओं का लाभ उठाने को भी किया गया प्रेरित। इस मौके पर मंडल महामंत्री सुभाष पाठक , राम अवतार , शिवम पांडे , क्षेत्र पंचायत सदस्य मंगल सिंह, क्षेत्र पंचायत सदस्य प्रतिनिधि राम भरोसे , दिनेश पासवान कार्यकर्ता बंधु रहे ।

NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE

(Govt. Affiliated, Star Graded, Record Holder, ISO Certified Training Centre)

TRADE OFFERS

100% Placement

★Computer Teacher Training (C.T.T.)
★Electrician
★Fire Safety & Industrial Security
★Repair of Refrigerator & A.C.
★Computer Operator & Programming Assistant (COPA)
★Welding Technology
★Certified In Yoga
★Security Service
★Home Appliances
★Computer Hardware & Networking

Visit us at www.nainiiti.com Call: 9415608710, 7459860480

Enjoy Publicity

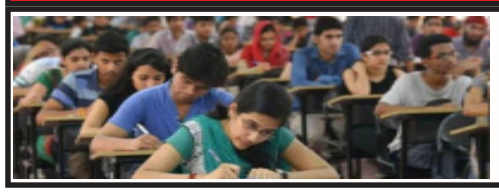

प्रदेश आस/पास

भारत

खेल केवल शरीर को ही नहीं, मन और चरित्र को भी मज़बूत बनाते हैं-आर पी सिंह

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)
अनपरा सोनभद्र। हिंडालको रेनुपावर डिवीजन रेनुसागर एवं फोनिक्स क्लब रेनुसागर के संयुक्त तत्वाधान में आदित्य बिड़ला इंटर मीडिएट कालेज

के ग्राउण्ड में शनिवार की देर शाम सर्किल क्रिकेट चैम्पियनशीप एक तरफा मुकाबले में डायमंड मेकर्स की टीम ने कप्तान अभिषेक तिवारी के नेतृत्व में बेहतरीन खेल का प्रदर्शन करते हुये निर्धारित 10 ओबर में 31 रन से टेक्नोवैरियर्स को पराजित कर विजयी होने का गौरव प्राप्त किया । बताते चले कि सर्किल क्रिकेट चैम्पियनशीप क्रिकेट मैच का मुकावला डायमंड मेकर्स और टेक्नोवैरियर्स के बीच में था।टेक्नोवैरियर्स ने टॉस जीतकर पहले फील्डिंग करने का निर्णय लिया । इस अवसर पर मुख्य अतिथि हिंडालको रेनुसागर के यूनिट हेड आर पी सिंह ने खिलाड़ियों से परिचय लेते हुये टॉस कराकर का मैच का शुभारंभ किया।मुख्य अतिथि यूनिट हेड ने संबोधन में कहा कि क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन बहुत ही उत्कृष्ट ढंग से किया गया है। यह आयोजन न केवल खेलों के प्रति प्रेम को बढ़ावा देता है, बल्कि युवाओं के बीच टीम भावना और समर्पण की भावना को भी प्रोत्साहित करता है।उन्होंने कहा कि खेल से सामूहिक सदभावना के साथ आपसी भाईचारे की भावना बढ़ती है। खेल केवल शरीर को ही नहीं, मन और चरित्र को भी मज़बूत बनाते हैं।फोनिक्स क्लब को इस आयोजन के लिए ढेर सारी बधाइयाँ और शुभकामनाएं ।इस आयोजन से युवा खिलाड़ियों में उत्साह का संचार हुआ और उन्हें अपनी प्रतिभा दिखाने का बेहतर मंच मिला।इसके पूर्व फोनिक्स क्लब रेनुसागर के सचिव सुधाकर अन्नामलाई ,नवींद्र पाठक एवं रोहित सक्सेना ने मुख्य अतिथि को बुके देकर स्वागत किया।डायमंड मेकर्स की टीम ने निर्धारित 10 ओवर में पहले बल्लेबाजी करते हुये जैनुल के 20 रन ,अजीत के 15 रन एवं कप्तान अभिषेक तिवारी के 3 रनो के वदौलत 6 विकेट खोकर 92 रन बनायी।आर सी पांडेय ने अपने टीम के लिए महत्वपूर्ण 2 विकेट चटकाये वही आशुतोष ,इंद्रपाल एवं मुकेश को एक-एक विकेट से संतुष्ट होना पड़ा।रोमांचक मैच में जबाब में खेलने उतरी टेक्नोवैरियर्स की टीम के कप्तान अजहर के निजी स्कोर 6 रन मुकेश 14 रन एवं बीर 8 रनो के वदौलत 10 ओबर में 7 विकेट खोकर 61 रन ही बना पाई ।वही विकाश ने 3 विकेट और हर्षित ने 2 विकेट अपने टीम के लिये चटकाये।इस तरह डायमंड मेकर्स की टीम 31 रन से विजयी रहीं।मैच में अंपायर दीपांश एवं रूपम रहे ।आँखों देखा हाल रोहित सक्सेना ने सुनाया।इस अवसर हिंडाल्को रेनुसागर संचालन हेड मनीष जैन, बृजेश कुमार सिंह,दीपक पांडेय,नवींद्र पाठक,कुमार हर्षवर्धन ,अरविंद सिंह ,ललित खुराना, मनीष सिंह ,प्रणव सोनी,संदीप यावले, आशुतोष सिंह सुधाकर अन्नामलाई मृदुल भारद्वाज एवं मान्यता प्राप्त यूनियन के पदाधिकारी सहित भारी संख्या में खेल प्रेमी मौजूद रहे।मैच का आंखोदेखा हाल दारा सिंह ने दी।इस मैच में कुल24 टीमों ने हिस्सा लिया है।कार्यक्रम को सफल बनाने के लिये रोहित सक्सेना ,राजीव मिश्रा ,आर के बर्मा, संतोष तिवारी, रंजीत सिंह दीपक कुमार का सराहनीय सहयोग रहा है ।

जल है प्रकृति का अमूल्य उपहार

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)
शहडोल। जल है प्रकृति का अमूल्य उपहार बचाओ इसे, यही है जीवन का आधारठ शहडोल जिले में जल गंगा संवर्धन अभियान 30 जून 2025 तक चलाया जा रहा हैजो

प्रगति पर है। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत किए जा रहे कार्यों में जनप्रतिनिधि, अधिकारी, समाजसेवी,पत्रकार सहित अन्य लोगों द्वारा बढ़ चढ़कर सहभागिता निभाई जा रही है तथा जल के एक एक बूंद को सहेजने के लिए संदेश दिया जा रहा है शहडोल जिले के विकासखंड ब्यौहारी के ग्राम ग्राम पंचायत मऊ के चिपाढ़नाथ मंदिर जिसमें हनुमान जी की प्रतिमा स्थापित है और लोगों का आस्था का केंद्र भी है चिपाढ़नाथ मंदिर के समीप तालाब में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जल के एक एक बूंद को सहेजने के लिए सफाई का कार्य किया गया जिसमे विधायक श्री शरद जुगलाल कोल, कलेक्टर डॉ केदार सिंह, जिला पंचायत शहडोल के मुख्य कार्य पालन अधिकारी श्री नरेंद्र धुर्वे, जनपद पंचायत ब्यौहारी की अध्यक्ष श्रीमती आकांक्षी सिंह, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व ब्यौहारी सुश्री सौम्या आनंद, मुख्य कार्य पालन अधिकारी श्री विजय सिंह मरावी, अभियान परिषद के परामर्शदाता हीरालाल साहू, सरस्वतीचंद्र विद्या, रामेश्वर पाल सहित अन्य लोगों बढ़ चढ़कर सहभागिता निभाते हुए श्रमदान किया।

सामाजिक न्याय के पुरोधा बिहार पूर्व मुख्यमंत्री की मनी पुण्यतिथि

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)
सोनभद्र। समाजवादी पार्टी कार्यालय सोनभद्र पर सामाजिक न्याय के पुरोधा बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री बीपी मंडल जी की पुण्यतिथि जिला पार्टी कार्यालय सोनभद्र मनाई गई एवं उनके चित्र पर पुष्प अर्पित करते हुए संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसकी अध्यक्षता पार्टी जिला अध्यक्ष राम निहार यादव ने किया और संचालन जिला महासचिव मोहम्मद सईद कुरैशी ने किया । संगोष्ठी को संबोधित करते हुए समाजवादी पार्टी जिला अध्यक्ष राम निहोर यादव ने कहा कि बीपी मंडल का जन्म 25 अगस्त 1918 को बनारस में हुआ था । मंडल आयोग सन 1979 में तत्कालीन जनता पार्टी की सरकार द्वारा स्थापित किया गया था । इस आयोग का कार्य क्षेत्र सामाजिक एवं आर्थिक रूप से पिछड़ों की पहचान करना था। बिंदेश्वरी प्रसाद मंडल इसके अध्यक्ष थे। उन्होंने हमेशा किसानों नौजवानों महिलाओं पिछड़ों आदिवासियों की लड़ाई लड़ने का काम किया । श्री यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने आज देश के राजनीति में पिछड़ों आदिवासियों गरीबों के मसीहा माने जाने वाले नेता हैं जिन्होंने हर वर्ग की लड़ाई सदन तक लड़ने का काम कर रहे हैं और आने वाले समय में भी लड़ते रहेंगे । संगोष्ठी को संबोधित करने वालों में मुख्य रूप से जिला महासचिव मोहम्मद सईद कुरैशी पूर्व जिला अध्यक्ष श्याम बिहारी यादव अनिल प्रधान जिला उपाध्यक्ष अशोक पटेल रमेश यादव महिला सभा जिला अध्यक्ष गीता गौर अभय यादव यूथ बिग्रेड जिला अध्यक्ष सत्यम पांडे अखिलेश जिज्ञासु बालेश्वर यादव पवन यादव मिथिलेश सिंह नीतीश पटेल उदित अंसारी के साथ सैकड़ो कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी उपस्थित थे ।

हनुमान भक्तों ने निकाली भव्य निशान यात्रा,लगे जयकारे

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)
सोनभद्र। हनुमान जन्म उत्सव के उपलक्ष्य में सोनभद्र नगर के उत्तर

मोहल स्थित अवतार उपवन के हनुमान मंदिर द्वारा दो दिवसीय भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसी क्रम में रविवार को कार्यक्रम के दूसरे दिन बाल हनुमान मंदिर द्वारा भव्य निशान यात्रा निर्मल कुमार केडिया के नेतृत्व में ब्रम्ह बाबा गली से निकाला गया। जिसमें की हनुमान भक्त हाथों में भगवा ध्वज लिए जय श्री राम हनुमान के जयकारा लगाते हुए चल रहे थे तो वही यात्रा में बैंड बाजे की धुन पर युवक युवतिया थिरक रहे थे। यह निशान यात्रा शीतला मंदिर चौराहे से प्रारंभ हुई और नगर का भ्रमण करते हुए अवतार उपवन में स्थित हनुमान मंदिर पर जाकर संपन्न हुई। जहां पर बजरंगबली की भव्य आरती अनूज केडिया व हरीकिशोर केडिया द्वारा की गई और उपस्थित सभी भक्तजनों ने हनुमान चालीसा का पाठ किया इसके पश्चात बधाई उत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें की सुप्रसिद्ध गायक संजीव शर्मा व उनके टीम द्वारा हनुमान जन्म उत्सव से संबंधित एक से बढ़कर एक भजनों का गायन किया गया। जिसे सुनकर वहां उपस्थित सभी श्रद्धालु झूमने लगे। कार्यक्रम के अंत में सभी श्रद्धालुओं को हनुमान जन्म उत्सव का प्रसाद वितरण किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम के संयोजक निर्मल केडिया, अनुज केडिया, हरिकिशोर केडिया,ऋतु जालान ,कृष्ण मुरारी गुप्ता, शुशील पाठक, दीपक केसरवानी, रविन्द्र केशरी, अशोक अग्रवाल, पवन अग्रवाल, शिखर केडिया, स्तुति संकल्प, तरुण, राघव, अंजू केडिया, सीमा, दीप्ति, साची बजाज, निताची अग्रवाल सहित अन्य श्रद्धालुगण उपस्थित रहे।

हेमचंद्र विक्रमादित्य विद्या मंदिर में धूमधाम से मनाया गया वार्षिकोत्सव

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)
डाला सोनभद्र। स्थानीय नगर में स्थित हेमचंद्र विक्रमादित्य विद्या मंदिर डाला में शनिवार की शाम वार्षिकोत्सव समारोह बड़े ही धूमधाम से मनाया गया।कार्यक्रम की

शुरुआत गणेश वंदना,सरस्वती वंदना व स्वागत गीत से शुरू हुआ।बच्चों के? द्वारा एक से बढ़कर एक और पढ़ाई से सम्बंधित कार्यक्रमों ने दर्शकों का मन मोह लिया।वहीं कार्यक्रम में देश की आजादी में देशभक्तो के जीवन पर आधारित कार्यक्रम ने पुरे माहौल को देशभक्ति मय कर दिया।कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए अपना दल (एस)विधि मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष अभिषेक चौबे ने कहा कि आज मैं जहां तक देख रहा हूं इन्हीं बच्चों में से कोई डाक्टर,इंजीनियर,जिलाधिकारी और वैज्ञानिक बनकर नगर,गुरूजन और माता-पिता का नाम रौशन करेंगे।बच्चों को जिस विषय व क्षेत्र में रूचि हो हमें उनका सहयोग करना चाहिए तथा बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए समय समय पर विद्यालयों द्वारा ऐसे ही कार्यक्रम आदि का आयोजन करते रहना चाहिए।वहीं अतिथि के रूप में अपना दल(एस) के जिला अध्यक्ष अंजनी पटेल ने कहा कि बच्चों के द्वारा एक से बढ़कर एक प्रस्तुति दी गई हैं। जिसमें त्याग, समर्पण और लगन की सीख हैं।सभी बच्चों को बहुत शुभकामनाएं हैं वह इसी तरह से मेहनत करते रहे तथा अपने माता-पिता,गुरूजन व देश का नाम रौशन करें। वहीं मुख्य अतिथि समाज सेवी मंगला प्रसाद जयसवाल द्वारा कार्यक्रम में प्रतिभाग लिए समस्त प्रतिभागियों को अपनी ओर से पुरस्कार देकर बच्चों का मनोबल बढ़ाया। मुख्य अतिथि श्री जायसवाल ने कहा कि बच्चों में पढ़ाई के साथ खेलकूद और सांस्कृतिक कार्यक्रम में भी प्रतिभाग लेना चाहिए जिससे उनका सर्वांगीण विकास हो सके।भाजपा नेता व समाजसेवी मुकेश जैन ने कहा कि बच्चों ने एक से बढ़कर एक कार्यक्रम प्रस्तुत किया जिसकी जितनी प्रशंसा की जाये कम हैं।कार्यक्रम का संचालन सुधीर कुमार व रश्मि त्रिपाठी ने किया।विद्यालय के चेयरमैन,मैनेजर द्वारा बच्चों और अध्यापकों की मेहनत के लिए उत्साहित किया तथा अंत में धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कार्यक्रम के समापन की घोषणा की।

कायस्थ महासभा की महिलाओ ने किया प्रसाद वितरित

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)
सोनभद्र। हनुमान जयंती के संध्या पर अखिल भारतीय कायस्थ महासभा की महिला जिलाध्यक्ष अविनाश श्रीवास्तव उर्फ़ शालू ने चित्रगुप्त महाराज की जयंती एवं हनुमान जन्मोत्सव पर नगर स्थित संकट मोचन मंदिर पर मनाते हुए प्रभु दरबार में भंडारे का आयोजन किया वही वहां मौजूद हजारों श्रद्धालुओं ने भंडारे का प्रसाद ग्रहण कर जय श्री राम के नारे से गूंज उठा महासभा की नेत्री अविनाश उर्फ शालू ने कहा कि यह भंडारे कार्यक्रम इस वर्ष के भांति हर वर्ष मनाया जाएगा एवम श्रद्धालुओं से कार्यकर्ताओं से आवाहन किया कि इस पावन पर्व पर हर वर्ष बढ़ चढ़ कर हिस्सा लेवे ताकि हम सनातनी समाज को एकजुट कर शांति का संदेश दे सके, भंडारे उत्सव में मनीष श्रीवास्तव, रिद्धि श्रीवास्तव,आरती कुमारी , मनोज आदि लोग उपस्थित रहे।

शिक्षक शिरोमणि पुरस्कार से डॉ प्रीतम हुए सम्मानित

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)
सोनभद्र। मिर्जापुर जिले में एक दिवासी गांव गांव महोत्सव सम्मान समारोह कार्यक्रम आयोजित किया गया । जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में आई मां विंध्यवासिनी यूनिवर्सिटी के कुलपति शोभा मौर्य द्वारा गांव गांव महोत्सव कार्यक्रम में जनपद सोनभद्र के ग्राम निपनिया, चतरा के निवासी भोला सिंह के पुत्र डॉ प्रीतम कुमार सिंह, असिस्टेंट प्रोफेसर के बी पी जी कॉलेज,मिर्जापुर को कुलपति, मां विन्ध्वासिनी विश्वविद्यालय के द्वारा शिक्षक शिरोमणि पुरस्कार से सम्मानित किया गया जिससे जनपद के लोग द्वारा जिले का नाम रोशन करने को लेकर बधाई शुभकामनाएं देते हुए दिए।

जब तक चलेगी सांसे योग करेंगे- योगी संकटमोचन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)
सोनभद्र। पतंजलि योगपीठ सोनभद्र के तत्वाधान में 25 दिवसीय निशुल्क योग शिविर लगाया गया है चोपन काली मंदिर प्रांगण में जिसका आज 13वां दिन युवा भारत जिला महामंत्री एवं सोशल मीडिया प्रभारी योगी संकट मोचन तथा जितेंद्र सिंह कैलाश भैया द्वारा आज शिविर को संबोधित कर आज का कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें युवा भारत योगी संकट मोचन द्वारा योग के बारे में विस्तार से चर्चा की गई तथा रोग के अनुसार किस प्रकार से कितना योग करना है इसके बारे में योगी संकट मोचन के द्वारा बताया गया तथा सूर्य नमस्कार ताड़ासन, त्रिकोण ताड़ आसान और यौगिक जॉगिंग करते हुए सूक्ष्म व्यायाम प्राणायाम और ताड़ासन चक्रासन, शीर्षासन, मयूरासन, मयूरी आसन इत्यादि कठिन आसनों का अभ्यास कराया गया और कैलाश भैया के द्वारा बिच्छू चाल चलकर दिखाया गया पूरे प्रांगण में जो की बेहद गौरवशाली महसूस करते हैं और इस प्रकार आज शिविर में श्रीवास्तव के द्वारा दही और जलेबी का प्रसाद के रूप में व्यवस्था किया गया था इस प्रकार से चोपन में शिविर लगातार चल रहा है एक-एक दिन पतंजलि के सभी योग साधक भाई-बहन वहां पर पहुंच कर अपने-अपने तरीके से योग को करा रहे हैं और सभी को जागरुक कर रहे हैं।आज शिविर में शामिल होने वाले सदस्यों में शिवनाथ प्रसाद योग शिक्षक राकेश साहनी योग शिक्षक सुदर्शन , मनीष सेठ, मनोज सिंह, श्रीवास्तव , बरनवाल , मोदनवाल बहनों में अंजली, पुष्पांजलि, किरण, पुष्पा, चुनमुन तथा चोपन के समस्त भाई-बहन जो योग साधन है निरंतर प्रतिदिन योग करते हैं शामिल होकर के आज योग शिविर का 13वां दिन बहुत ही हंसी खुशी के साथ और सुबह-सुबह दही और जलेबी के साथ शिविर को समापन किया गया।

रामकथा में प्रभु राम और भरद्वाज मुनि संवाद का रोचक वर्णन किया

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)
नोएडा । सेक्टर 82 स्थित

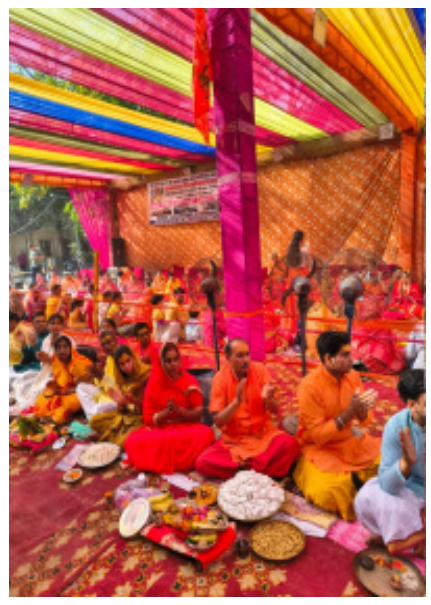

ईडब्ल्यूएस पॉकेट 7 में आयोजित श्रीराम कथा के सातवें दिन कथा व्यास महामंडलेश्वर स्वामी पंचमानंद महाराज ने आगे का प्रसंग सुनाते हुए बताया कि भगवान राम, लक्ष्मण,सीता और गृह राज निषाद के साथ गंगा पार उतरकर मां गंगा को प्रणाम करके आगे बढ़ते हैं। प्रयागराज पहुंचकर वह त्रिवेणी में स्नान करते हैं और मुनि भारद्वाज जी के आश्रम पहुंचते हैं। मुनि की दंडवत प्रणाम करते हैं और भारद्वाज जी उनको गले से लगाकर आशीर्वाद देते हैं। भारद्वाज जी आनन्द मग्न हो जाते हैं और सोचते हैं कि आज हमारी तपस्या सफल हो गई , मेरा जीवन धन्य हो गया। मुनि प्रभु राम सहित सभी को पवित्र आसान बैठने के लिए देते हैं और खाने में कंद मूल फल देते हैं। सभी प्रकार से संतुष्ट कर प्रभु की वंदना करते हैं लेकिन मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम कहते हैं कि हे मुनि जिस को आपका आशीर्वाद मिल जाता है वही बड़ा हो जाता है। रात्रि विश्राम के बाद प्रभु राम मार्ग पूछकर आगे के लिए प्रस्थान कर जाते हैं कथा पंडाल में प्रातः 5 बजे से 10 बजे तक हनुमान जन्मोत्सव पूरे धूमधाम के साथ मनाया गया। इस दौरान विद्वान आचार्यों द्वारा मंत्रोच्चार के साथ विधिवत पूजन कराया गया। पूजन के दौरान पूरा पंडाल खचाखच भरा रहा और भक्तिमय भजनों ने माहौल को राम मय कर दिया इस अवसर पर आरडब्ल्यूए अध्यक्ष राघवेंद्र दुबे ने बताया कि 13 अप्रैल को राम भरत मिलाप सहित कई प्रसंगों का वर्णन किया जाएगा। इस मौके पर देवमणि शुक्ल , रवि राघव, गोरे लाल, रमेश वर्मा, संजय पांडे, हरि सिंह, संजय शुक्ला, रमेश दास, जितेंद्र सतपति, उमाकांत त्रिपाठी, विष्णु शर्मा, विश्वनाथ त्रिपाठी, गौरव, रविंद्र कुमार , हंसमणि शुक्ला, अंगद सिंह तोमर, देवेंद्र गुप्ता, बहादुर चौहान,संदीप, संगम प्रसाद मिश्रा, विजय कुमार , प्रकाश जोशी, सत्येन्द्र प्रताप सिंह, सुभाष चन्द्र शर्मा, अनूप सिंह, उपेंद्र सिंह, धर्मेंद्र सिंह, धर्मेंद्र कुमार मिश्रा, रंजन गिरि, सी एल तिवारी, अनिल कुमार चौधरी, अवनीश शर्मा, जितेंद्र सिंह, अनिल कुमार, राकेश कुमार, वीजेन्द सिंह, वी के भारद्वाज, शिव चौधरी अजय सिंह, दिनेश पाठक , राजेश कुमार पाठक, संजय मग्गू, राम भरोसे झा, दीपक तिवारी, मुक्तेश भारद्वाज सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

सदर विधायक अदिति सिंह की पहल से ग्राम बेलाखरा व भूएमऊ में सामुदायिक केन्द्रों के निर्माण के लिए एक करोड़ 30 लाख स्वीकृत

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)
रायबरेली। मा0 सदर विधायक अदिति सिंह की पहल से मा0 राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) समाज कल्याण असीम अरुण ने विधानसभा सदर विधायक को पत्र लिखकर कहा है कि आपको यह जानकर प्रसन्नता होगी कि आपके विधान सभा क्षेत्र सदर रायबरेली के ग्राम बेलाखरा में रू. 65,00,000/- (रूपया पैंसठ लाख मात्र) तथा ग्राम भूएमऊ में रू. 65,00,000/- (रूपया पैंसठ लाख मात्र) की धनराशि सामुदायिक केन्द्रों के निर्माण हेतु स्वीकृत की जा चुकी है। यह आपकी पहल का परिणाम है। उन्होंने कहा कि आपके क्षेत्र में बनने जा रहे इन सामुदायिक केन्द्रों का आप नियमित अनुश्रवण/ निरीक्षण करती रहें जिससे निर्माण कार्य की गुणवत्ता बनी रहे और राजकीय धन का सदुपयोग सुनिश्चित हो सके। निर्माण कार्य में किसी प्रकार की शिकायत पर मुझे संज्ञानित करें।

एसडीएम ने क्रॉप कटिंग कराकर गेहूँ की उत्पादकता का किया आकलन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)
रायबरेली। गेहूँ की पैदावार की हकीकत देखने के लिए जिलाधिकारी हर्षिता माथुर के निर्देशन में उपजिलाधिकारी महराजगंज सचिन यादव तहसील क्षेत्र के भटसरा गांव में पहुंचे। उनकी देखरेख में क्रॉप कटिंग कर उत्पादकता का आकलन किया गया। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना अंतर्गत फसल गेहूँ कटाई के 02 खेतों मे प्रयोग किए गए। एक निश्चित त्रिकोण क्षेत्र में फसल कटाई करके यह देखा गया कि कितनी उत्पादकता प्राप्त हो रही है। जिसके अंतर्गत दो खेतों में क्रॉप कटिंग की गई, जिसमें गाटा संख्या 163 में लगभग 11.680 किग्रा के हिसाब उत्पादकता उपज प्राप्त हुई। इसी प्रकार गाटा संख्या 464 में 19.000 किग्रा के हिसाब से उत्पादकता उपज प्राप्त हुई। बता दें कि क्रॉप कटिंग से फसल की पैदावार देखी जाती है इसमें रेंडम आधार पर खेतों को चुनकर फसल की उत्पादकता का आकलन किया जाता है। कम उत्पादकता होने पर प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अन्तर्गत जनपद में कार्यरत बीमा कंपनी किसानों को लाभ देती है, इसलिए किसानों को अधिक से अधिक फसल बीमा करा लेना चाहिए।

सोनभद्र, मिर्जापुर

रोजगार मेला (कैम्पस प्लेसमेंट) का आयोजन 17 अप्रैल को

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

सोनभद्र। जिला सेवायोजन अधिकारी, ने अवगत कराया है की जिला सेवायोजन कार्यालय, सोनभद्र द्वारा जनपद के आई0टी0आई0 पास ऑउट अभ्यर्थियों (उम्र 18 से 32 वर्ष) को रोजगार देने के लिए 17 अप्रैल 2025 को प्रातः 10:00 बजे से शम्भूनाथ निजी आई0टी0आई0 कॉलेज, परासपानी, कोटा, डाला, सोनभद्र के परिसर में रोजगार मेला (कैम्पस प्लेसमेंट) का आयोजन किया गया है, जिसमें निजी क्षेत्र की मदरसन ऑटोमोटिव इलेक्टोमर्स टेक्नोलॉजी, नोएडा, उत्तर प्रदेश की कम्पनी प्रतिभाग करेगी। अभ्यर्थियों का साक्षात्कार कॉलेज के परिसर में लिया जायेगा। यह कैम्पस मेला पूर्णतः निःशुल्क है। इस हेतु कोई यात्रा व्यय देय नहीं होगा।

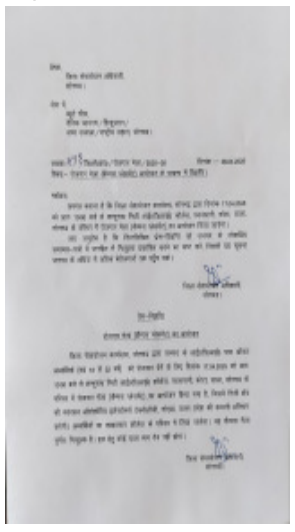

महाराजा मेदिनी राय चेरो की मनाई गयी 392वें जयंती

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

सोनभद्र। चेरो आदिवासी राजवंश समाज के तत्वावधान में शनिवार को ग्राम निगाई मेदिनी चौक,कोन सोनभद्र में बड़े ही हर्षोल्लाश और धूमधाम से चेरवों के सबसे प्रतापी महाराजा मेदिनी राय के प्रतिमा पर अपने विधि विधान एवम् पारंपरिक रीति रिवाज से विधिवत पूजा अर्चना कर यहां के वरिष्ठ समाजसेवियों व गांव गौहार के गणमान्य लोगों द्वारा ठधनी धनी राजा मेदनिया,घर घर बाजे मथनियांठजय घोष के साथ मेदिनी राय चेरो की जयंती मनाई गईं।वहां उपस्थित लोगों द्वारा महानायक मेदिनी जी के बारे में बखान करते हुए उनके मार्गों पर चलने का शपथ लिया गया।वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ताओं द्वारा इनके कार्यकाल को स्वर्ण काल व समृद्धशाली युग बताया गया। उनके शासनकाल में वहां के खेत खलिहान हरे भरे व लोग बहुत खुशहाल और संपन्न थे।बगैर खाये नहीं सोया करते थे।सबके घर में गाय,भैंस और दूध,दही हुआ करते थे।इसलिए कहा गया था कि ठधनी धनी राजा मेदनिया,घर घर बाजे मथनियांठ इस अवसर पर डॉ राजेन्द्र सिंह चेरो,रामनाथ सिंह,मनोज सिंहानिया,विनोद सिंह,सदानंद सिंह,भगवान सिंह गोंड,अमर सिंह गोंड,बुद्धिनारायण चेरो,तेजू राम चेरो,पिंटू,मुकेश सिंह,श्रवण सिंह,प्रधान प्रतिनिधि विनोद गुप्ता,कल्लू सिंह,धार्मना,मनोज पासवान,दयाशंकर यादव,मनोहर यादव,योगेंद्र यादव आदि उपस्थित थे।

संविदा हेलफर व ड्राइवरों की भर्ती में संगठित गिरोह युवाओं कर रहे अवैध वसूलीः रोशन लाल

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

सोनभद्र। .एन सी एल की खड़िया कोयला परियोजना में ओवरबर्डेन हटाने का काम कर रही निजी कंपनी कलिंगा में लगभग एक हजार संविदा हेलफर और ड्राइवरों की भर्ती चल रही है जिसमें संरक्षण प्राप्त संगठित गिरोह मनमाने तरीके से युवाओं से मोटी रकम लेकर बिना किसी गाइड लाइन के भर्ती कराने के खेल में मशगूल है जिसमें अपने अपने निजी कोटा के नाम पर भर्ती कराकर करोड़ों का खेल जारी है जिसमें संरक्षण देने वालों में बड़े बड़े लोग शामिल हैं और उसके साथ ही सोनांचल के आदिवासियों, मूलनिवासियों युवकों की घोर अनदेखी की जा रही है यह आरोप लगाते हुए सोनांचल संघर्ष वाहिनी दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष एडवोकेट रोशन लाल यादव ने कहा कि एन सी एल की बीना,

कृष्ण शीला, दुद्धी चूआ और खड़िया कोयला परियोजनाओं में वर्ष 2017 से लगातार सोनांचल संघर्ष वाहिनी यहां के विस्थापित, लोकल और प्रभावित युवकों को निजी कोयला कंपनियों में संविदा कर्मचारियों की भर्ती को लेकर गाइड लाइन बनाने और नियमानुसार 80ज्ञ इन्हीं की भर्ती सुनिश्चित करने के लिए दर्जन बार से ऊपर आंदोलन चला चुकी है लेकिन इन संगठित संरक्षण प्राप्त गिरोह के इस बड़े खेल के आगे सोनांचल के बेरोजगारों की दर्दनाक पीड़ा कोई नहीं सुन रहा है नियमित रूप से दर्जनों बार उत्तर प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री को पत्रों और ज्ञापन के जरिए इस गम्भीर धांधली को रोकने के लिए हस्तक्षेप करने की गुहार किया लेकिन सोनांचल के बेरोजगारों की घोर उपेक्षा थम नहीं रही है और संगठित लोग बाहरी युवाओं से मोटी रकम लेकर गैरकानूनी तरीके से धड़ल्ले से भर्ती कराकर करोड़ों का खेल खेल रहे हैं जिसकी उच्च स्तरीय जांच कराया जाना सोनांचल के बेरोजगारों के हित में होगा।

आल्पकालीन निविदा/कोटेशन सूचना 2025-26

कार्यालय ग्राम पंचायत- अमोखर — विकास खंड- राबर्ट्सगंज जिला सोनभद्र
पत्रांक- मेमो — दिनांक- 12.04.2025

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत अमोखर में वित्तीय वर्ष 2025-26 मे मनरेगा/राज्य वित्त/केन्द्रीय वित्त/SLWM/SBM/RGSA व अन्य निधियों से प्राप्त धनराशि से निमार्ण कराये जाने हेतु व्यापार कर विभाग आयकर में पंजीकृत फर्मो के द्वारा ग्राम पंचायत परिधि के अन्दर निम्न विवरणनुसार कार्यस्थल पर सामग्री आपूर्ति कराने हेतु अल्पकालीन निविदा आमंत्रित की जाती है। ईंट प्रथम श्रेणी, टैंकर क्रय, बालू, डाला गिट्टी, सोलिंग गिट्टी, इंटरलॉकिंग ईट, सीमेंट पटिया, टीन शेड, ऐजबेस्टेस सीट, शौचालय निर्माण सामग्री, PVC पाईप बोल्डर, सरिया, स्टोन डस्ट, GSB, सोलर लाईट,स्ट्रीटा लाईट, चुनी-चोकर,भूसा,गुण, नमक, वाटर कूलर एवं आरो, हैडपंप रिबोर/बोर, पेन्टिग सामग्री, ई-रिक्शा, ढेला-गाडी, सफाईकर्मी , किट हयूम पाईप, लोहे का (दरवाजा, खिडकी,एंगल,पाईप), बिजली वायरींग सामग्री, समरसिबल पंप, सोलर पंप, अन्य सामग्री। इच्छुक आपूर्तिकर्ता निविदा दिनांक 13.04.2025 सें 16.04.2025 तक ग्राम पंचायत कार्यालय पर 10.00 से 02.00 बजे तक जमा कर सकते हैं। जिसे दिनांक 17.04.2025 को 03.00 बजे निविदा दाताओ जो उपस्थित रहना चाहतें है के समक्ष ग्राम पंचायत कार्यालय पर खोला जायेगा।

प्रतिबंध और शर्तेः- 1- निविदा की सभी दरें कर सहित लोक निर्माण विभाग की स्वीकृत दर से अधिक नही होनी चाहिए। 2- जमानत धनराशी और अन्य जानकारी हेतु ग्राम पंचायत कार्यालय से सम्पर्क कर सकते हैं। 3- खराब आपूर्ति की दशा में जमानत की राशि जब्त कर जी जायेगी। 4- सशर्त निविदा स्वीकार्य नही की जायेगी। 5- बिना कारण बताये किसी भी समय निविदा निरस्त करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरी का होगा।

ग्राम प्रधान-अमोखर
विकास खंड- राबर्ट्सगंज सोनभद्र

ग्राम पं0 सचिव- अमोखर
विकास खंड- राबर्ट्सगंज सोनभद्र

स्पोर्ट्स

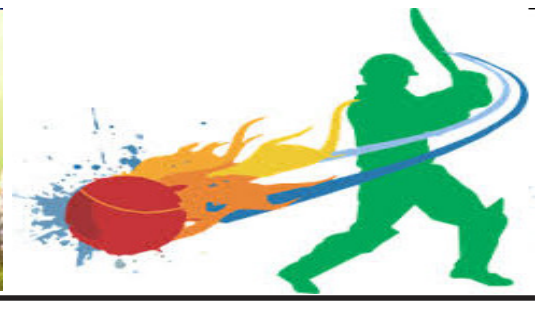

लय हासिल करने उतरेगी मुंबई, सामने होगी दिल्ली की चुनौती

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। मुंबई के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह वापसी कर चुके हैं और अपना दूसरा मुकाबला खेलने के लिए तैयार हैं। आगामी मैच में वह केएल राहुल के लिए चुनौती बन सकते हैं। दिल्ली की टीम ने टूर्नामेंट के पहले चरण में शानदार प्रदर्शन किया है और इसलिए वह इस मैच में जीत के दावेदार के रूप

में शुरुआत करेगी। आईपीएल 2025 का 29वां मुकाबला दिल्ली कैपिटल्स और मुंबई इंडियंस के बीच रविवार को खेला जाएगा। अरुण जेटली स्टेडियम में दोनों टीमों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिल सकती है। सभी की नजरें खराब फॉर्म से जूझ रहे रोहित शर्मा पर होंगी। मुंबई के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह वापसी कर चुके हैं और अपना दूसरा मुकाबला खेलने के लिए तैयार हैं। आगामी मैच में वह केएल राहुल के लिए चुनौती बन सकते हैं। दिल्ली की टीम ने टूर्नामेंट के पहले चरण में शानदार प्रदर्शन किया है और इसलिए वह इस मैच में जीत के दावेदार के रूप में शुरुआत करेगी। दिल्ली की टीम की निगाह लगातार पांचवीं जीत हासिल करने पर होगी जबकि हार्दिक पांड्या के नेतृत्व वाली मुंबई की टीम छह मैच में पांचवीं हार से बचने की कोशिश करेगी। आईपीएल जैसे टूर्नामेंट में एक हार से लय गड़बड़ा सकती है और मुंबई इंडियंस तो पिछले साल से चले आ रहे खराब प्रदर्शन में सुधार नहीं कर पाई है। पिछले साल उसकी टीम अंतिम स्थान पर रही थी। मुंबई के लिए रोहित की फॉर्म चिंता का विषय है जो अभी तक चार मैच में केवल 38 रन बना पाए हैं। दिल्ली के खिलाफ उन्हें अक्षर पटेल और कुलदीप यादव जैसे मंझे हुए स्पिनरों के अलावा अब तक शानदार प्रदर्शन करने वाले विपराज निगम से कड़ी चुनौती मिलना सुनिश्चित है। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान माइकल क्लार्क ने कुलदीप को अभी तक टूर्नामेंट का सर्वश्रेष्ठ स्पिनर करार दिया है। कुलदीप ने अभी तक सभी मैच में चार ओवर का अपना कोटा पूरा किया है तथा उन्होंने छह रन प्रति ओवर से भी कम के इकोनॉमी रेट से आठ विकेट लिए हैं। निगम एक ऑलराउंडर हैं और उन्होंने अभी तक पांच विकेट लिए हैं। कप्तान अक्षर पटेल को अभी तक कोई विकेट नहीं मिला है। मुंबई के खिलाफ वह गेंदबाजी का आगाज कर सकते हैं।

'वाह शर्मा जी के बेटे गुरु युवराज से लेकर तेंदुलकर तक, दिग्गजों ने शतकवीर अभिषेक को ऐसे दी बधाई

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। अभिषेक ने पंजाब किंग्स के खिलाफ 55 गेंद में 141 रन की पारी खेली। उनकी पारी की बदौलत सनराइजर्स हैदराबाद ने जीत हासिल की। अभिषेक के मेंटर युवराज सिंह से लेकर सचिन है! ऐंप् ने इंख्र मैच में श्रेयस अय्यर ने भी शानदार खेल दिखाया। उन्हें भी खेलते देखना शानदार है।वहीं, सचिन तेंदुलकर ने लिखा, 'अभिषेक की हाथ की गति अविश्वसनीय है और जिस तरह से वह गेंद को मीलों दूर भेजने के लिए अपने हाथों हेड के बाद अब अभिषेक शर्मा ने भी हैदराबाद के फैंस के मन में खास जगह बना ली है। अभिषेक को उनकी पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच भी चुना गया। उन्होंने मैच के बाद कहा- किसी भी खिलाड़ी के लिए उस फॉर्म से गुजरना आसान

तेंदुलकर, सूर्यकुमार यादव, तिलक वर्मा...कई क्रिकेटरों ने अभिषेक की पारी को शानदार बताया और उन्हें बधाई दी है। आईपीएल 2025 के 27वें मैच में सनराइजर्स हैदराबाद का तूफान एक बार फिर देखने को मिला। हैदराबाद में खेले गए मुकाबले में सनराइजर्स ने पंजाब किंग्स के खिलाफ रिकॉर्ड चेज किया। 246 रन के लक्ष्य को सनराइजर्स ने नौ गेंद रहते हासिल कर लिया। इस जीत में अभिषेक शर्मा ने अहम भूमिका निभाई। उन्होंने 55 गेंद में 14 चौके और 10 छक्के की मदद से 141 रन की पारी खेली। अभिषेक के शतक के बाद अब सोशल मीडिया पर उनकी जमकर तारीफ हो रही है। फैंस से लेकर दिग्गज क्रिकेटर्स भी उनकी तारीफ कर रहे हैं। अभिषेक के मेंटर युवराज सिंह से लेकर सचिन तेंदुलकर, सूर्यकुमार यादव, तिलक वर्मा...कई क्रिकेटरों ने अभिषेक की पारी को शानदार बताया और उन्हें बधाई दी है।युवराज ने एक्स पर पोस्ट में लिखा- वाह शर्मा जी के बेटे! 98 रन पर सिंगल फिर 99 रन पर सिंगल! इतनी परिपक्वता! शानदार पारी अभिषेक शर्मा। ट्रेविस हेड ने भी शानदार खेल दिखाया। इन ओपनर्स को साथ में देखना एक शानदार अनुभव को गेंद के नीचे ले जाते हैं, वह देखने लायक है। यह एक बेहतरीन पारी है। इसे जारी रखें सूर्यकुमार ने लिखा- रख विश्वास। उन्होंने सनराइजर्स की एक क्लिप भी शेयर की, जिसमें हैदराबाद के खिलाड़ियों ने अभिषेक की पारी को एक शब्द में बताया है। नीतीश रेड्डी ने इसे- 'मास' कहा। वहीं, अभिनव मनोहर ने इसे- बेहद जरूरी बताया। ट्रेविस हेड ने इसे- अविश्वसनीय बताया। वहीं, क्लिप में अभिषेक की मां भी दिख रही हैं। उन्होंने कहा, 'सबको खुशी है, पूरे हैदराबाद को खुशी है, मां को भी खुशी है कि हम मैच जीते हैं। थोड़ा स्टॉप लग गया था, लेकिन अब नहीं लगेगा।' सूर्यकुमार ने यह वीडियो शेयर करते हुए लिखा- मां जी ने बोल दिया तो बोल दिया बस। मुंबई इंडियंस के एक और खिलाड़ी तिलक वर्मा ने भी अभिषेक की तस्वीर साझा की है।सोशल मीडिया पर भी इस शतक की जमकर तारीफ हो रही है। फैंस उनके लिए पोस्ट कर रहे हैं। अभिषेक ने शतक लगाने के बाद एक पर्चा निकाला था, जिस पर लिखा था- यह शतक ऑरेंज आर्मी के लिए है। सनराइजर्स हैदराबाद के फैंस को ऑरेंज आर्मी कहते हैं। डेविड वॉर्नर, केन विलियम्सन, पैट कमिंस, हेनरिक क्लासेन, ट्रेविस नहीं होता। टीम और कप्तान का खासतौर पर जिक्र करना चाहूंगा। उन्होंने बल्लेबाजों को बहुत आसान संदेश दिया था। हालांकि मैं अच्छा नहीं कर रहा था। अभिषेक ने कहा, 'हेड के साथ बात हुई और यह हम दोनों के लिए एक खास दिन था। मैं कभी भी विकेट के पीछे कुछ नहीं खेलता, लेकिन मैं इस मैच में ऐसे कुछ शॉट्स की कोशिश कर रहा था क्योंकि मैं इस विकेट पर आकार, जहां गेंद में थोड़ी उछाल थी, इस तरह के शॉट्स का इस्तेमाल करना चाहता था। पूरी टीम मेरे माता-पिता का इंतजार कर रही है। वे टीम और ऑरेंज आर्मी के लिए बहुत भाग्यशाली हैं। हमने कुछ नहीं कहा। हम सिर्फ नैसर्गिक खेल को व्यक्त करना और खेलना चाहते थे। यह खास है और मैं सोच रहा था कि मैं हार के क्रम को तोड़ना चाहता हूं। एक खिलाड़ी और युवा खिलाड़ी के रूप में यह काफी कठिन था, लेकिन टीम का मूड बहुत अच्छा था। युवी पाजी (युवराज सिंह) का खास जिक्र करना चाहूंगा। मैं उनसे बात करता रहा हूं और सूर्यकुमार यादव को भी धन्यवाद। मैं उनके संपर्क में रहा हूं और वह मेरे लिए हमेशा खड़े रहे हैं।

लखनऊ सुपरजायंट्स ने चुनी मुंबई वाली पिच, नहीं चला पंत का बल्ला; गिल के लिए दिखा क्रेज

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। इकाना स्टेडिमय में शनिवार को लखनऊ और गुजरात के बीच मैच हुआ। खास बात यह रही कि दर्शकों ने गुजरात के खिलाड़ियों पर भी प्यार बरसाया। नर्म धूप के बीच इकाना स्टेडियम के बाहर आईपीएल मुकाबले के लिए दोपहर एक बजे से ही दर्शकों की अच्छी-खासी भीड़ पहुंच चुकी थी। भीड़ धीरे-धीरे बढ़ रही थी। मुकाबला भी खास था, गुजरात टाइटंस और लखनऊ स्टेडियम में दर्शकों की संख्या भी बढ़ती रही। साढ़े चार बजे तक स्टेडियम लगभग पूरा भर चुका था और दर्शकों का उत्साह आसमान छू रहा था। इस बीच चीयर लीडर्स का डांस, नगाड़ों की धमक और गूंजते हिंदी गीतों पर थिरकते दर्शक माहौल को गर्मजोशी से भरते रहे। गुजरात टाइटंस ने पहले बल्लेबाजी करते हुए सलामी बल्लेबाजों गिल और सुदर्शन के शानदार प्रदर्शन के साथ स्कोर बोर्ड पर बिना कोई विकेट खोए दस ओवर में 103 रन ही खड़े होकर शोर मचाने लगे। स्टेडियम के मुख्य गेट से भीतर घुसते ही मैदान के बाहर बाकायदा स्टॉल लगाकर लखनऊ सुपरजायंट्स की टीशर्ट और फ्लैग दर्शकों को मुफ्त बांटे गए। इसे लेने के लिए दर्शकों की खूब भीड़ भी जुटी रही। हालांकि उन दर्शकों को निराशा हाथ लगी जो स्टेडियम के बाहर से टीशर्ट खरीद चुके थे। ये टीशर्ट बाहर दो सौ से तीन सौ रुपये के बीच बेची गईं। मैच के दौरान जो भी खिलाड़ी बाउंड्री पर किया था और टीम को हार मिली। हार के बाद टीम के मेंटर जहीर खान ने नाराजगी जताई थी। आईपीएल में बड़ी पारी के इंतजार में 27 करोड़ी ऋषभ पंत का बल्ला एक बार फिर नहीं चला। उन्होंने मिचेल मार्श के बाहर होने के कारण मार्करम के साथ पारी की शुरुआत करने का फैसला किया। राशिद की गेंद पर एक रन चुराकर 17 रन का आंकड़ा छुआ, जो मौजूदा आईपीएल में उनकी सर्वश्रेष्ठ पारी रहा। पंत ने

सुपरजायंट्स के बीच। वैसे तो दर्शकों की दीवानगी लखनऊ सुपरजायंट्स के लिए अधिक थी, लेकिन गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल के लिए भी उनका दिल खूब धड़का।ऋषभ पंत के साथ ही शुभमन गिल के नाम वाली टीशर्ट स्टेडियम के बाहर खूब बिकीं। ज्यादातर दर्शकों की चाहत थी कि लखनऊ जीते लेकिन वे गिल के बल्ले का कमाल भी देखना चाहते थे। मैच के दौरान गिल ने भी अपने प्रशंसकों को निराश नहीं किया और अर्धशतक जड़कर साबित कर दिया कि वे आखिर क्यों दर्शकों के चहेते हैं। मैच शुरू होते ही गुजरात टाइटंस की ओर से एस. सुदर्शन ने पहली ही गेंद पर चौका जड़ा तो पूरा स्टेडियम झूम उठा। इसके बाद गिल और सुदर्शन के चौकों-छक्कों की बरसात के बीच स्कोर बोर्ड पर रनों की रफ्तार के साथ ही लगा दिए। इसके बाद एलएसजी के प्रशंसकों ने जोर जोर से आवाज लगानी शुरू कर दी कि अब तो विकेट ले लो मेरे भाई...। कोई बोला कि अरे, मंतर पढ़ो भाई...। 13वें ओवर की पहली गेंद पर 60 रन के निजी स्कोर पर कप्तान गिल के आउट होते ही एलएसजी के प्रशंसकों की जान में जान आई। ...लेकिन तब तक गुजरात का स्कोर 120 रन पहुंच चुका था। मैच के शुरू होने से पहले चीयर लीडर्स ने मैदान का चक्कर लगाते हुए दर्शकों का अभिवादन किया। इस दौरान दर्शकों ने भी शोर मचाते हुए गर्मजोशी के साथ उनका स्वागत किया। मैच के दौरान चौके-छक्कों पर चीयर लीडर्स ने डांस पर दर्शक भी उनके साथ साथ झूमते रहे। गुजरात की पारी खत्म होने के बाद एक बार फिर से चीयर लीडर्स मैदान के चारों ओर दर्शकों के सामने से गुजरीं तो दर्शक अपनी जगह पर फील्डिंग करने पहुंचता तो दर्शक जोर-जोर से आवाज लगाकर उसे पुकारते रहे। इस दौरान डेविड मिलर ने कई बार दर्शकों की ओर हाथ हिलाया तो जवाब में दर्शकों ने भी उनका शुक्रिया अदा किया। गुजरात के खिलाफ हुए इस मुकाबले के लिए लखनऊ सुपरजायंट्स प्रबंधन ने पिच नंबर छह का ही चयन किया। इस पिच पर टीम ने चार अप्रैल को हुए मुकाबले में जीत दर्ज की थी। दरअसल, काली मिट्टी वाली इस पिच पर उछाल ज्यादा होती है और गेंद अच्छे से बल्ले से कनेक्ट होती है। चूंकि एलएसजी टीम में विदेशी बल्लेबाजों की संख्या ज्यादा है जो उछाल भरी विकेट पर खेलना पसंद करते हैं। इसलिए टीम प्रबंधन ने काली सतह पर खेलना पसंद किया। बताते चलें कि इकाना स्टेडियम में हुए सत्र के पहले मुकाबले में लखनऊ ने लाल मिट्टी वाली पिच पर पंजाब का सामना चार चौके जमाकर बड़ी पारी की उम्मीद भी जगा दी, लेकिन 21 रन के निजी योग पर प्रसिद्ध कृष्णा की गेंद पर सुंदर को कैच दे बैठे। इससे लखनऊ के प्रशंसकों में निराशा छा गई। 14 अप्रैल को लखनऊ सुपरजायंट्स का अगला मुकाबला घरेलू मैदान पर चेन्नई सुपरकिंग्स से होना है। इस मुकाबले के लिए धोनी की टीम शनिवार को राजधानी पहुंच गई। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार धोनी की टीम रविवार को इकाना स्टेडियम में अभ्यास करेगी। बताते चलें कि चेन्नई की टीम आईपीएल में लगातार पांच मैच हार चुकी है। ऐसे में लखनऊ के खिलाफ जीत दर्ज करना टीम की प्राथमिकता होगी। रविवार को होने वाले अभ्यास सत्र में सुपरजायंट्स टीम के आने की संभावना कम है।

शिक्षा पूरी नहीं कर पाने का अफसोस अंग्रेजी नहीं बोल पाने को लेकर ट्रोल करने वालों को रिजवान का जवाब

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। रिजवान ने आलोचकों से समाधान बताने और पाकिस्तान क्रिकेट का मार्गदर्शन करने का आग्रह किया, ताकि टीम सही रास्ते पर जा सके। उन्होंने अपनी अंग्रेजी बोलने की क्षमता को लेकर भी बात की है। आइए जानते हैं पाकिस्तान की वनडे टीम के कप्तान मोहम्मद रिजवान को अक्सर अपनी अंग्रेजी बोलने के लिए आलोचना और ट्रोलिंग का शिकार होना पड़ता है। हालांकि, अब उन्होंने आलोचकों को करारा जवाब दिया है। रिजवान ने स्वीकार किया कि वह अंग्रेजी भाषा बोलने में अपनी अक्षमता से शर्मिंदा नहीं है। उन्होंने कहा कि एकमात्र चीज जिस पर वह ध्यान केंद्रित कर रहे हैं, वह है क्रिकेट। रिजवान अंग्रेजी ठीक से नहीं बोल पाते हैं। इसी वजह से उनके पोस्ट और प्री-पोस्ट मैच इंटरैक्शन के कई क्लिप और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हैं। कई मौकों पर ट्रोल्स ने उनका मजाक उड़ाया है।हालांकि, अब मुल्तान सुल्तांस के कप्तान ने आलोचकों को संबोधित किया और उन्हें इसको लेकर मुंहतोड़ जवाब दिया। उन्होंने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान जियो न्यूज से कहा, 'मुझे अपनी शिक्षा पूरी नहीं कर पाने का अफसोस है। यही वजह है कि मुझे अंग्रेजी नहीं आती है, लेकिन मुझे इस बात की शर्म नहीं है कि पाकिस्तान का कप्तान होने के नाते मैं अंग्रेजी नहीं बोल सकता। मेरी मांग क्रिकेट खेलने की है, अंग्रेजी बोलने की नहीं। अगर पाकिस्तान अंग्रेजी चाहता तो मैं प्रोफेसर बनता, पढ़ता और लौटता। लेकिन पाकिस्तान मुझसे क्रिकेट मांगता है,

अंग्रेजी नहीं।'दरअसल पिछले कुछ समय से पाकिस्तान टीम का आईसीसी टूर्नामेंट्स में प्रदर्शन खराब रहा है। वनडे विश्व कप 2023, टी20 विश्व कप 2024 और चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में टीम पहले ही दौर में बाहर हो गई थी। इसके बाद टीम में अनबन को लेकर भी बातें सामने आई थीं। इससे तंग आकर कोच गैरी कर्स्टन और जेसन गिलेस्पी ने इस्तीफा दे दिया था। टीम से बाहर चल रहे पाकिस्तानी क्रिकेटर अहमद शहजाद ने तो टीम में गुटबाजी का आरोप तक लगाया था। शहजाद ने कहा था कि मोहम्मद रिजवान और बाबर आजम जैसे सीनियर खिलाड़ी जूनियर्स को धमकाते हैं और किसी को ऊपर नहीं आने देते। तभी चयनकर्ता हर टूर्नामेंट के लिए खराब प्रदर्शन के बावजूद इन्हें ही चुनते हैं। रिजवान ने इसके बाद अपना ध्यान पाकिस्तान क्रिकेट में जारी संकटों पर केंद्रित किया। इसको लेकर दुनिया भर में पाकिस्तान की टीम की आलोचना हो रही है। कभी एशियाई महाशक्ति माने जाने वाले पाकिस्तान की मौजूदा टीम अपने पुराने गौरव को हासिल करने में जुटी हुई है। आईसीसी टूर्नामेंट्स में खराब प्रदर्शन के बाद रिजवान और बाबर को न्यूजीलैंड की टी20 टीम से बाहर कर दिया गया था। अब रिजवान सिर्फ वनडे के कप्तान हैं। हालांकि, उनकी कप्तानी में पाकिस्तान को न्यूजीलैंड दौरे पर तीन मैचों की सीरीज में 3-0 से हार का सामना करना पड़ा था। टीम की वापसी पर खिलाड़ियों को आलोचनाओं का सामना करना पड़ा था हालांकि, रिजवान ने आलोचकों से समाधान बताने और पाकिस्तान क्रिकेट का मार्गदर्शन करने का आग्रह किया, ताकि टीम सही रास्ते पर जा सके। उन्होंने कहा, 'टीम की आलोचना करना अच्छा है, लेकिन साथ ही उन्हें मार्गदर्शन भी करना चाहिए कि कैसे सुधार किया जाए। हाल ही में चैंपियंस ट्रॉफी के दौरान वसीम अकरम ने हमें सलाह दी थी। मैं उनके साथ और बात करना चाहता था, लेकिन पर्याप्त समय नहीं था।' रिजवान ने स्वीकार किया कि अगर टीम का प्रदर्शन खराब है तो फैंस को परेशान होने का हक है। उन्होंने कहा, 'उन्हें हम पर नाराज होने का पूरा अधिकार है क्योंकि वे भी हमसे प्यार करते हैं, लेकिन पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) ने पाकिस्तान को बहुत कुछ दिया है। अब लीग का आनंद लेने का समय है।

राशि फल

कुछ कार्य जिसकी पिछले कुछ दिनों से प्लानिंग चल रही है, आज शुरू हो सकता है, जिससे आपको आर्थिक स्थिति में लाभ होगा। व्यापार-व्यवसाय में परिवर्तन की योग बन रहे है

आज का दिन अच्छा है। परिवार में कोई नया सदस्य आ सकता है। आपके स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव देखने को मिलेगा। व्यापार आदि में सहयोगी पार्टनर के माध्यम से आय के नए स्रोत बनेंगे

किसी कार्य विशेष को लेकर आज यात्रा आदि पर बाहर जा सकते हैं। यात्रा में सावधानी बरतें, नहीं तो आपको नुकसान हो सकता है। साथ ही परिवार में किसी अपने के स्वास्थ्य से आप चिंतित रह सकते हैं।

आज आप व्यर्थ की भागदौड़ से परेशान हो सकते हैं। आपका मन अशांत रहेगा। कार्य की अधिकता के कारण थकावट आदि महसूस होगी।

आज आप मानसिक रूप से उलझे रहेंगे। किसी बात को लेकर परिवार में परेशानी बढ़ सकती है, लेकिन आप अपनी कुशलता से उसे हल करने में सफल होंगे। स्वास्थ्य ठीक रहेगा।

नौकरी आदि के लिए यदि प्रयास कर रहे हैं तो, आज आपको सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य आपका ठीक रहेगा, परंतु परिवार में माता-पिता का स्वास्थ्य बिगड़ सकता है।

आज आपका कोई महत्वपूर्ण कार्य न होने से आप मानसिक तौर से परेशान रह सकते हैं। आर्थिक स्थिति के कारण आपको किसी से मदद मांगनी पड़ सकती है। व्यापार-व्यवसाय में भी इस समय गिरावट महसूस होगी।

आज आप पतनी के स्वास्थ्य को लेकर कुछ परेशान रहेंगे। परिवार के लोग सहयोग करेंगे। व्यापार-व्यवसाय में अपने साथियों के विरोध के कारण आपको बड़ा नुकसान हो सकता है।

स्वास्थ्य को लेकर आप परेशान हो सकते हैं। साथ ही नौकरी आदि में अधिकारी वर्ग से मतभेद बढ़ने से आपकी परेशानी बढ़ेगी।

आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहेगा। किसी अपने के द्वारा आपको कार्यक्षेत्र में बड़ा काम मिल सकता है, जिस कारण मन प्रसनन रहेगा।

आत्मविश्वास में कमी रहेगी। मानसिंक शांति रहेगी लेकिन असंतोष भी रहेगा। परिवार में शांति बनी रहेगी। पिता का सहयोग मिलेगा।

मान-सम्मान बढ़ेगा। नौकरी में पदोन्नति के योग हैं। आत्मविश्वास बन रहेगा। शिक्षा से जुड़े काम सफल होंगे।

'पाकिस्तान टीम में जो हो रहा आप कब बोलेंगे' इस सवाल पर भड़के बाबर आजम, कहा- यहां ढिंढोरा नहीं पीटूंगा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। पीएसएल के आगाज के मौके पर पत्रकारों ने सभी छह टीम के कप्तानों के सामने सवाल दागे। एक पत्रकार ने बाबर से ऐसा सवाल पूछा कि वह चौंक गए। हालांकि, उन्होंने स्थिति को अच्छे से संभाला और मुंहतोड़ जवाब दिया। आइए जानते हैं पाकिस्तान सुपर लीग 2025 की भी शुरुआत हो चुकी है। इस लीग के आगाज से पहले लीग के सभी छह कप्तानों की प्रेस कॉन्फ्रेंस हुई और उसमें पाकिस्तान टीम के पूर्व कप्तान बाबर आजम से पत्रकार ने एक ऐसा सवाल पूछा जिससे वह भड़क गए। पत्रकार ने उनसे पाकिस्तान टीम को लेकर सामने आ रही बातों को सामने रखा। इस पर बाबर ने तंज कसते हुए कहा कि उन्हें जो कहना होगा वह बंद कमरे में कहेंगे। प्रेस कॉन्फ्रेंस में आकर उस चीज को लेकर ढिंढोरा नहीं पीटेंगे।दरअसल पिछले कुछ समय से पाकिस्तान टीम का आईसीसी टूर्नामेंट्स में प्रदर्शन खराब रहा है। वनडे विश्व कप 2023, टी20 विश्व कप 2024 और चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में टीम पहले ही दौर में बाहर हो गई थी। इसके बाद टीम में अनबन को लेकर भी बातें सामने आई थीं। इससे तंग आकर कोच गैरी कर्स्टन और जेसन गिलेस्पी ने इस्तीफा दे दिया था। टीम से बाहर चल रहे पाकिस्तानी क्रिकेटर अहमद शहजाद ने तो टीम में गुटबाजी का आरोप तक लगाया था। शहजाद ने कहा था कि मोहम्मद रिजवान और बाबर आजम जैसे सीनियर खिलाड़ी जूनियर्स को धमकाते हैं और किसी को ऊपर नहीं आने देते। तभी चयनकर्ता हर टूर्नामेंट के लिए खराब प्रदर्शन के बावजूद इन्हें ही चुनते हैं। इसके बाद टीम हाल ही में न्यूजीलैंड दौरे पर आठ में से सात मैच हार गई। इसी कड़ी में पीएसएल के आगाज के मौके पर पत्रकारों ने सभी छह टीम के कप्तानों के सामने सवाल दागे। एक पत्रकार ने बाबर से पूछा, 'मौजूदा समय में टीम का जो प्रदर्शन चल रहा है, किस दिन आप कुछ बोलेंगे? जिस दिन पूरी टीम खत्म हो जाएगी, तब आप बोलेंगे कि पाकिस्तान क्रिकेट में क्या हो रहा?' इस पर बाबर पहले तो गुस्साए। फिर मुस्कुराते हुए कहा कि वह दिमाग में आ रही बातों को बोलने से कतराते नहीं हैं। हालांकि, यह उनका काम नहीं है कि राष्ट्रीय टीम के मामलों को बाहर सबके सामने बोला जाए।बाबर ने पत्रकार को जवाब देते हुए कहा, 'जहां मुझे बोलना होगा, मैं वहीं बोलता हूं। और मैं मीडियो के सामने बैठकर नहीं बोलूंगा कि क्या करना चाहिए। मुझे जहां जो बोलना होता है, मैं कमरे के अंदर बोल देता हूं। मैं यहां आकर ढिंढोरा नहीं पीटूंगा या सोशल मीडिया पर कि ऐसा होना चाहिए। ये मेरा काम नहीं है।' पाकिस्तान सुपर लीग का यह 10वां सत्र है। पहले मैच में डिफेंडिंग चैंपियंस इस्लामाबाद यूनाइटेड का सामना रावलपिंडी में लाहौर कलंदर्स से हुआ। छह टीमों के बीच खेले जा रहे इस टूर्नामेंट में कुल 34 मैच होंगे। फाइनल 18 मई लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में खेला जाएगा। बाबर की टीम पेशावर जाल्मी का पहला मैच क्वेटा ग्लैडिएटर्स से शनिवार को है।

सम्पादकीय

सिनौली उत्खनन ने सिद्ध किया, आर्य भारत के मूलनिवासी

भारत की परतंत्रता व पुरातात्विक साक्ष्यों की कमी व अनदेखी ने इस मिथक को स्थापित कर दिया की आर्य नामक एक जाति भारत में मध्य एशिया से आई थी त् कहा जाता था की 1500 ई. पू. में मध्य एशिया से आए तथाकथित आर्य भारत में रथ लेकर आए त् परन्तु सिनौली से प्राप्त रथ तो 2000 ई.पू. के हैं तथा 1500 ई. पू. से अधिक प्राचीन हैं वैदिक काल और आर्य यह दो ऐसे शब्द हैं जो भारत ही नहीं अपितु सम्पूर्ण विश्व के इतिहासकारों व आमजनमानस को 19वीं शताब्दी से आकर्षित किए हुए हैं त् अंग्रेजों के भारत में स्थापित हो जाने के बाद उनके इतिहासकारों ने मजबूती से इस बात को स्थापित करने का प्रयास किया की आर्य नामक एक जातीय समूह 1500 ईसा पूर्व में मध्य एशिया से चलकर भारत आयात् उनके अनुसार ये वही लोग थे जो भारत में अपने साथ घोड़े व रथ लेकर आए भारत की परतंत्रता व पुरातात्विक साक्ष्यों की कमी व अनदेखी ने इस मिथक को स्थापित कर दिया की आर्य नामक एक जाति भारत में मध्य एशिया से आई थी त् उत्तर प्रदेश के बागपत जिले में हिंडन व यमुना नदी के मध्य में स्थित सिनौली नामक पुरास्थल से सन् 2018 -19 में मिले पुरावशेषों ने यूरोपीय इतिहासकारों व उनके अनुगामी भारतीय इतिहासकारों द्वारा रचित आर्य आगमन के मिथक को धराशाई करने का कार्य किया है त्कहा जाता था की 1500 ई. पू. में मध्य एशिया से आए तथाकथित आर्य भारत में रथ लेकर आए त् परन्तु सिनौली से प्राप्त रथ तो 2000 ई.पू. के हैं तथा 1500 ई. पू. से अधिक प्राचीन हैं त् इतना ही नहीं, भारत के प्राचीनतम ग्रंथ ऋग्वेद में रथों को सूर्य किरणों से आलोकित होने की चर्चा की गई हैत् सिनौली से मिले काष्ठ निर्मित रथों के पहियों में ताम्बे से जो जड़ाई का कार्य किया गया है वह सूर्य के फैलते हुए प्रकाश जैसा ही है त् इस प्रकार सिनौली से मिले रथ व ऋग्वेद में वर्णित रथों में साम्यता है यहां यह बात भी उल्लेखनीय है की हड़प्पा उत्खनन की विवरणिका (1940) में भी ताम्र निर्मित रथ प्राप्त होने का विवरण उपलब्ध है । दुर्भग्यवश इस रथ की बात इतिहास की किसी पुस्तक में नहीं की गई है। जहां तक बात घोड़े की है तो सिनौली के उत्खननकर्ता के अनुसार रथ के वजन व माप के अनुसार यह रथ घोड़े के द्वारा खींचना ही सम्भव थात् इतना ही नहीं, घोड़े के अवशेष सरस्वती सिंधु सभ्यता के विभिन्न पुरास्थल जैसे सुरकोटदा, लोथल, रंगपुर, शिकारपुर आदि स्थानों से प्राप्त हुए हैं घोड़े के इन अवशेषों का उल्लेख भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग की उत्खनन विवर्णिकाओं में उपलब्ध है दुर्भाग्यवश रथ की तरह घोड़े के साक्ष्यों को भी इतिहास की पुस्तकों में स्थान नहीं दिया गया । पुरातात्विक साक्ष्यों व ऋग्वेद के वर्णन से यह स्पष्ट हो जाता है की रथ व घोड़े भारत में 2000 ई. पू. के पहले से विद्यमान थेत् अतः रथ व घोड़े के आधार पर आर्य आगमन की बात करना तथ्यहीन है सिनौली में हुए उत्खनन से हमें योद्धाओं द्वारा पहने जाने वाले ताम्र निर्मित शिरस्त्राण भी मिले हैं त् यह शिरस्त्राण मृत शरीर के साथ ही दफनाए गए थे त् भारत में इससे पूर्व इस काल के शिरस्त्राण प्राप्त नहीं हुए थे त् ऋग्वेद के छठे मंडल में वैदिक देवता मरुतों के द्वारा युद्ध में जाते समय शिरस्त्राण पहने जाने के उल्लेख है त् यह पुरावशेष भी सिनौली के लोगों में प्रचलित वैदिक परम्परा का ही द्योतक है सिनौली से ही मिले कई शवाधानों में एक शवाधान में स्थित काष्ठ निर्मित एक शवपेटिका ऐसी भी है जिसपर ताम्बे की नौ मुखाकृतियां बनाई गई हैं त् इन मुखाकृतियों ने बैल के सींग युक्त मुकुट पहने हैं त् निश्चित तौर पर शवपेटिकाओं पर बनी इन मुखाकृतियों का कोई धार्मिक प्रयोजन है त् यहां ऋग्वेद के दसवें मंडल में शवों को दफनाने के कई उल्लेख उपलब्ध हैं त् भारतीय समाज में आज भी शवों को जलाने व भू समाधी देने की परम्परा विद्यमान है । कई पाश्चात्य विद्वानों ने सिनौली के इन रथों को मध्य एशिया से आने वाले तथाकथित आर्यों से जोड़ने का प्रयत्न किया है त् जिन आर्यों के आगमन का समय पूर्व में 1500 ई.पू. बताया जाता था उसे अब 2000 ई.पू. ले जाने के प्रयत्न किये जा रहे हैं त् परन्तु ये इतिहासकार यह भूल जाते हैं की सिनौली के कंकालों का डीएनए व राखीगढ़ी से मिलने वाला 2500 ई.पू. का डीएनए समान है त् ऐसे में सिनौली के लोगों को मध्य एशिया से आए आर्य बताना पूर्णतः तथ्यहीन है इसके साथ ही अमेरिकी मानव वैज्ञानिक लुकॉक्स व कैनेडी के शोध के अनुसार उत्तर पश्चिम भारत में 800 ई.पू. तक की जनसंख्या में कोई मध्य एशियन डीएनए उपलब्ध नहीं हैत् डीएनए पर कुछ ऐसा ही परिणाम हाल ही में हुए शोध कार्यों में भी प्राप्त हुआ है त् साथ ही, यदि सिनौली के निवासी पश्चिम दिशा से आए थे तो सिनौली जैसे पुरावशेष उस क्षेत्र से भी प्राप्त होने चाहिए लेकिन ऐसे कोई पुरावशेष हमें आगमन के उस मार्ग पर दिखाई नहीं देते । ऋग्वेद में वर्णित शवों को दफनाने की परम्परा, सिनौली से मिलने वाले शवाधान व पुरावशेषों के ऋग्वेद में वर्णित श्लोकों से साम्यता इस बात की ओर इंगित करती हैं की सिनौली में आज से 4000 वर्ष पूर्व रहने वाले लोग वैदिक परम्परा के अनुयायी थे त् इतना ही नहीं राखीगढ़ी व सिनौली से मिले कंकालों के डीएनए में साम्यता इस बात का अकाट्य प्रमाण है की 1500 ई.पू. में आर्य नामक कोई मानव समूह घोड़े युक्त रथों पर सवार हो मध्य एशिया से भारत में नहीं आया भारत में आज से 4000 वर्ष पूर्व के पहले से ही वैदिक मान्यताओं का अनुसरण करने वाले लोग रहा करते थे और वे इसी भूमि के मूलनिवासी थे ।

शोध और विकास की प्राथमिकता, भारत की वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में पैठ मजबूत

चीन की चमत्कृत करने वाली प्रगति में उसके दूरगामी सोच की अहम भूमिका रही है। चीन ने शोध एवं विकास यानी आरएंडडी में काफी पहले से निवेश करना आरंभ कर दिया था। इससे कम लागत में प्रतिस्पर्धी उत्पाद तैयार करने की उसने जो क्षमता हासिल की उससे वह वैश्विक विनिर्माण बाजार का सिरमौर बन गया। चीन ने सरकारी स्वामित्व वाले उपक्रमों की व्यवस्था से नवाचार केंद्रित आर्थिकी की ओर कदम बढ़ाने आरंभ किए। इसका परिणाम हुआवे, अलीबाबा और बीआइडी जैसी दिग्गज कंपनियों के रूप में सामने आया। ऐसी कंपनियों की सूची अंतहीन दिखती है। चीन अपनी जीडीपी का 2.6 प्रतिशत आरएंडडी पर खर्च करता है जो दर्शाता है कि वह भविष्य की अपनी महत्वाकांक्षी योजनाओं को मूर्त रूप देने के लिए कितना गंभीर है। भारत ने भी बीते एक दशक के दौरान इस मोर्चे पर काफी प्रगति की है, लेकिन निवेश एवं उत्पादन के लिहाज से वैश्विक प्रतिस्पर्धियों की तुलना में यह अभी भी अपर्याप्त है। भारत अपनी जीडीपी का केवल 0.64 से 0.7 प्रतिशत तक आरएंडडी पर निवेश कर रहा है। चीन का तो ऊपर उल्लेख है ही, जबकि अमेरिका भी अपनी जीडीपी का 3.47 प्रतिशत आरएंडडी पर खर्च करता है। ये दोनों ही अर्थव्यवस्थाएं भारत की तुलना में बहुत बड़ी हैं तो कुल राशि कितनी विशाल होगी, इसका सहज ही अनुमान लगाया जा सकता है। स्पष्ट है कि इस महत्वपूर्ण मद में सीमित निवेश भारत की संभावनाओं को प्रभावित कर रहा है। सीमित निवेश के बावजूद प्रदर्शन को देखा जाए तो वैश्विक नवाचार परिदृश्य पर भारत ने अपनी छाप छोड़ी है। ग्लोबल इनोवेशन इंडेक्स की 133 देशों की सूची में 2015 में 81वें स्थान पर रहने वाला भारत 2024 में 39वें पायदान पर पहुंच गया। प्रदर्शन में यह उल्लेखनीय सुधार भारत के विस्तार लेते डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर, अकादमिक जगत एवं उद्योग जगत के बीच बेहतर होते जुड़ाव और तेजी से बढ़ते स्टार्टअप इकोसिस्टम को दर्शाता है। हालांकि इस प्रगति में वित्तीय प्रतिबद्धताएं अपेक्षित रूप से मेल नहीं खा रही हैं।ऐसे में, निजी क्षेत्र को निवेश बढ़ाना होगा। सकल घरेलू उत्पाद की दृष्टि से आरएंडडी में अभी निजी निवेश करीब 36.4 प्रतिशत के आसपास है जबकि अमेरिका और चीन जैसी बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में निजी क्षेत्र का यह योगदान 75 से 77 प्रतिशत के दायरे में है।

हिंसा के बाद कलकत्ता हाईकोर्ट का बड़ा फैसला

कलकत्ता उच्च न्यायालय ने हिंसा से प्रभावित मुर्शिदाबाद में केंद्रीय बलों की तैनाती का आदेश दिया है। बता दें कि, वक्फ कानून के खिलाफ चल रहे विरोध-प्रदर्शन के दौरान जिले के कई इलाकों में हिंसा हुई है और अब तक तीन लोगों की मौत भी हो चुकी है।पश्चिम बंगाल में वक्फ कानून के विरोध के दौरान भड़की हिंसा पर कलकत्ता हाईकोर्ट ने बड़ा फैसला दिया है। उच्च न्यायालय ने मुर्शिदाबाद जिले में केंद्रीय बलों की तैनाती का आदेश दिया है। बता दें कि, केंद्र सरकार की तरफ से वक्फ संशोधन विधेयक को जब संसद में पेश किया गया, उसी वक्त ही राज्य में इसके खिलाफ विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए थे। लेकिन जब ये विधेयक संसद से पास होकर कानून बना तो प्रदर्शन हिंसक हो गए। वहीं सूत्रों के मुताबिक कलकत्ता हाईकोर्ट के निर्देश के बाद केंद्र सरकार ने पश्चिम बंगाल में अर्द्ध सैनिक बलों की 16 कंपनियां भेजी है।मुर्शिदाबाद जिले में हुई झड़पों में कम से कम तीन लोग मारे गए और हिंसा के सिलसिले में 100 से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पश्चिम बंगाल विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी की तरफ से दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति सौमेन सेन की अध्यक्षता वाली एक खंडपीठ ने सामान्य स्थिति बहाल करने में सहायता के लिए मुर्शिदाबाद के प्रभावित क्षेत्रों में सीएपीएफ की तैनाती का आदेश दिया है। जानकारी के मुताबिक, केंद्रीय बल राज्य प्रशासन के साथ समन्वय में काम करेंगे। वहीं अदालत ने इस मामले में राज्य सरकार और केंद्र दोनों को स्थिति पर विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश भी दिया। जबकि इस मामले की अगली सुनवाई के लिए 17 अप्रैल की तारीख तय की है। मामले में मुख्य न्यायाधीश ने न्यायमूर्ति सौमेन सेन और न्यायमूर्ति राजा बसु चौधरी की विशेष पीठ गठित की थी। वहीं राज्य के वकील ने अदालत को बताया कि मुर्शिदाबाद के हिंसा प्रभावित सूती, धुलियान और समसेरगंज इलाकों में बीएसएफ की सात कंपनियां तैनात की गई हैं। हालांकि, इस मामले में शुभेंदु अधिकारी के वकील ने आरोप लगाया कि स्थिति को नियंत्रित करने के लिए बीएसएफ कर्मियों को ठीक से तैनात नहीं किया जा रहा है। जिसके बाद पीठ ने स्थिति की गंभीरता को देखते हुए शनिवार को अवकाश के दिन याचिका पर सुनवाई की। इस मामले में आज जब सुनवाई शुरू हुई तो कोर्ट ने राज्य सरकार को आधे घंटे का समय दिया। केंद्रीय बलों की तैनाती पर उनकी राय मांगी गई। राज्य ने कहा कि केंद्रीय बलों की तैनाती की कोई जरूरत नहीं है। राज्य ने कहा कि राज्य के डीजी राजीव कुमार खुद मुर्शिदाबाद के लिए रवाना हो गए हैं। लेकिन कोर्ट ने आखिरकार केंद्रीय बलों की तैनाती के पक्ष में फैसला सुनाया। कोर्ट ने कहा, 'जब इस तरह के आरोप लगाए जाते हैं, तो कोर्ट आंखें मूंद नहीं सकता। असली दोषियों की पहचान की जानी चाहिए और उन्हें कड़ी सजा दी जानी चाहिए। फिलहाल मुख्य लक्ष्य मुर्शिदाबाद में शांति और सद्भाव बहाल करना है। इसलिए मुर्शिदाबाद में केंद्रीय बलों की तैनाती का आदेश जारी किया गया है। अगर चाहें तो अन्य जगहों पर भी कानून-व्यवस्था को नियंत्रित करने के लिए केंद्रीय बलों को बुलाया जा सकता है।' कोर्ट ने कहा सूती, समसेरगंज समेत उन सभी इलाकों में जहां हालात अत्यंत तनावपूर्ण हैं, वहां तत्काल केंद्रीय बलों की तैनाती की जाए। फिलहाल यह आदेश केवल मुर्शिदाबाद जिले के लिए लागू है, लेकिन यदि राज्य के किसी अन्य हिस्से में भी ऐसी स्थिति उत्पन्न होती है, तो वहां भी केंद्रीय बलों की तैनाती की जा सकती है। राज्य सरकार को यह सुनिश्चित करना होगा कि केंद्रीय बलों को हरसंभव सहायता मिले। हाईकोर्ट से केंद्रीय बलों की तैनाती की खबर आने के बाद भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी ने कहा, यह ममता बनर्जी सरकार की गाल पर चांटा है। छुट्टी के दिन हाईकोर्ट के न्यायाधीशों ने लोगों की जान बचाने के लिए कोर्ट खोला। उन्होंने कहा, हम तब कोर्ट गए जब न ममता सरकार ने और न ही पुलिस ने हमारी बात सुनी, तब हम कोर्ट जाने के लिए मजबूर हुए। कोर्ट ने लोगों के जीवन की सुरक्षा के लिए यह फैसला दिया। हम कोर्ट को प्रणाम करते हैं। मुर्शिदाबाद जिले के हिंसा प्रभावित इलाकों में झड़प में अब तक तीन लोगों की मौत हो चुकी है। दो लोगों की मौत समसेरगंज में और एक की मौत मुर्शिदाबाद मेडिकल कॉलेज में हुई। समसेरगंज में पिता-पुत्र की मौत की हत्या कर दी गई थी। एक शख्स को घायल होने के बाद मुर्शिदाबाद मेडिकल कॉलेज भर्ती कराया गया, जहां उसने दम तोड़ दिया। वह सूती का रहने वाला था।

लहू से लिखी आजादी की दास्तां

जलियांवाला बाग एक राष्ट्रीय स्मारक बन चुका है। यहां गोलीबारी के निशानों वाली दीवार और ष्शहीदी कुआंष् संरक्षित हैं। परिसर में एक संग्रहालय और लाइट एंड साउंड शो भी है, जो उस भीषण दिन की कहानी बयां करता है बैसाखी, पंजाब का एक उल्लासपूर्ण पर्व, नई फसल की खुशी और सामूहिक उत्सव का प्रतीक है। लेकिन 13 अप्रैल 1919 की वह बैसाखी अमृतसर में मौत और मातम की प्रतीक बन गई। जहां आम दिनों में बागों में गीत गूंजते हैं, उस दिन जलियांवाला बाग की हवाओं में सिर्फ चीखें थीं और जमीन पर लहू था। यह दिन भारत के इतिहास में सिर्फ एक घटना नहीं, बल्कि एक स्थायी पीड़ा और चेतना का क्षण बन गया। हजारों पुरुष-महिलाएं और बच्चे, कुछ बैसाखी का पर्व मनाने आए थे, तो कुछ रॉलेट एक्ट के विरोध में एकत्र हुए थे। लेकिन ब्रिटिश जनरल डायर ने इस शांत सभा को दुश्मन समझ लिया और बिना चेतावनी के गोलियां चलवा दीं। यह न केवल नृशंसता की पराकाष्ठा थी, बल्कि भारतीय अस्मिता पर सीधा आघात था। इस रक्तरंजित बैसाखी ने ही स्वतंत्रता की लौ को तेज कर दिया। इस लेख में हम उस दिन की पीड़ा, प्रतिरोध और प्रेरणा को समझने का प्रयास करेंगेकृजिसने भारत को आजादी की ओर एक निर्णायक मोड़ पर खड़ा कर दिया।प्रथम विश्व युद्ध (1914-1918) के दौरान ब्रिटिश सरकार ने भारत में कई आपातकालीन दमनकारी कानून लागू किए थे। युद्ध समाप्त होने के बाद भारतीयों को यह उम्मीद थी कि इन प्रतिबंधों को हटाया जाएगा और भारत को अधिक राजनीतिक स्वतंत्रता दी जाएगी। परंतु ब्रिटिश सरकार ने 1919 में 'रॉलेट एक्ट' पारित किया, जिसने उन दमनकारी प्रावधानों को और भी कठोर बना दिया। इस अधिनियम ने बिना मुकदमा और बिना अपील के किसी को भी हिरासत में रखने का अधिकार सरकार को दे दिया था। इसका पूरे देश में जोरदार विरोध हुआ। महात्मा गांधी ने इस अधिनियम के विरोध में 6 अप्रैल को देशव्यापी हड़ताल का आह्वान किया। पंजाब, विशेषकर अमृतसर, में विरोध तेज हो गया। जब 10 अप्रैल को दो प्रमुख राष्ट्रीय नेताओं, डॉ. सैफुद्दीन किचलू और डॉ. सत्यपाल को गिरफ्तार कर शहर से निर्वासित कर दिया गया, तो जनता का गुस्सा फूट पड़ा। विरोध प्रदर्शनों के दौरान हिंसा भड़क उठी, कुछ यूरोपीय नागरिकों पर हमले हुए और सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचा। प्रदर्शनकारियों पर गोलीबारी की गई, कई मारे गए। इसके बाद स्थिति बिगड़ गई, सरकारी इमारतों पर हमले हुए और कुछ ब्रिटिश नागरिकों को भी निशाना बनाया गया।इस अस्थिरता से निपटने के लिए ब्रिगेडियर जनरल रेजिनाल्ड एडवर्ड हैरी डायर को अमृतसर भेजा गया। उसने आते ही सार्वजनिक सभाओं पर प्रतिबंध लगा दिया और शहर को एक सैनिक छावनी में बदल दिया।ब्रिटिश सेना के ब्रिगेडियर जनरल रेजिनाल्ड डायर को अमृतसर की कानून-व्यवस्था संभालने की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। उन्होंने 13 अप्रैल को बैसाखी के दिन, जब सैकड़ों ग्रामीण जलियांवाला बाग में एकत्र हुए थे, सार्वजनिक सभाओं पर प्रतिबंध चलाने का आदेश दे दिया। सैनिकों ने लगभग 1650 राउंड गोलियां चलाईं। यह गोलीबारी तब तक जारी रही जब तक उनकी गोलियां खत्म नहीं हो गईं। लोग जान बचाने के लिए भाग नहीं सके क्योंकि बाहर निकलने का रास्ता अवरुद्ध था। दर्जनों लोग 'शहीदी कुएं' में कूद गए। ब्रिटिश सरकारी आंकड़ों के अनुसार 379 लोग मारे गए और 1200 से अधिक घायल हुए, लेकिन वास्तविक संख्या इससे कहीं अधिक मानी जाती है। गोलीबारी समाप्त होते ही बिना मृतकों और घायलों की चिंता किए जनरल डायर अपने सैनिकों के साथ वहां से चला गया। घायल लोग कई घंटे तक तड़पते रहे। ब्रिटिश सरकार ने स्थिति को काबू में लाने के नाम पर पूरे पंजाब में मार्शल लागू कर दिया। जनता पर सार्वजनिक अपमानों और कोड़े मारने जैसी सजाएं थोपी गईं। एक सड़क पर भारतीयों को घुटनों के बल चलने पर मजबूर किया गया। यह सब जनमानस की चेतना को झकझोरने के लिए पर्याप्त था। इस हत्याकांड ने पूरे देश में आक्रोश की लहर दौड़ा दी। रविंद्रनाथ ठाकुर ने विरोध स्वरूप अपनी 'नाइटहुड' की उपाधि लौटा दी। महात्मा गांधी, जो अब तक संयमित प्रतिक्रिया दे रहे थे, इस घटना से इतने व्यथित हुए कि उन्होंने 1920 में पूर्ण असहयोग आंदोलन शुरू त् करने का निर्णय लिया। यह घटना भारत में ब्रिटिश सरकार के प्रति व्यापक अविश्वास और विद्रोह की भावना का प्रतीक बन गई। यह पहला मौका था जब भारत का सामान्य नागरिक, किसान, व्यापारी, मजदूर, छात्र संगठित होकर एक लक्ष्य की ओर बढ़ा, पूर्ण स्वतंत्रता की ओर । इस नरसंहार की जांच के लिए ब्रिटिश सरकार ने हंटर आयोग का गठन किया, जिसने 1920 में जनरल डायर की निंदा की और उसे सैन्य सेवा से इस्तीफा देने को मजबूर किया। लेकिन ब्रिटिश समाज दो भागों में बंटा रहा। जहां हाउस ऑफ कॉमन्स में विंस्टन चर्चिल जैसे नेताओं ने डायर की आलोचना की, वहीं हाउस ऑफ लॉर्ड्स ने उसकी तारीफ की और उसे रक्षक कहकर तलवार भेंट की गई। ब्रिटिश नागरिकों ने उसके लिए लाखों रुपये का चंदा इकट्ठा किया। यह स्पष्ट कर दिया गआज जलियांवाला बाग एक राष्ट्रीय स्मारक बन चुका है। यहां गोलीबारी के निशानों वाली दीवार और 'शहीदी कुआं' संरक्षित हैं। परिसर में एक संग्रहालय और लाइट एंड साउंड शो भी है, जो उस भीषण दिन की कहानी बयां करता है। जलियांवाला बाग हत्याकांड भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का वह मोड़ था, जिसने एक पूरे राष्ट्र को झकझोर दिया। इसने न केवल ब्रिटिश हुकूमत के असली चेहरे को उजागर किया, बल्कि देश की आजादी की लड़ाई को एक नई दिशा और ऊर्जा प्रदान की। यह घटना आज भी भारतीय चेतना में जीवित है एक त्रासदी के रूप में, परंतु साथ ही उस जज्बे के रूप में भी जिसने गुलामी की जंजीरों को तोड़ फेंकने का संकल्प लिया।

राजनीतिक इच्छाशक्ति का संकल्प और प्रयासों का फल

2019 में भारत ने आधिकारिक तौर पर प्रत्यर्पण की मांग की, जिसे अमेरिका की अदालतों में कड़े तर्कों और साक्ष्यों के आधार पर प्रस्तुत किया गया। राणा की टीम ने ठडबल जोपर्डीठ (एक ही अपराध के लिए दो बार मुकदमा नहीं चलाया जा सकता) का तर्क देकर बचने की कोशिश की, लेकिन भारत सरकार के मजबूत पक्ष ने उस दलील को खारिज कर दिया। अंततः अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने भारत के पक्ष में अपना फैसला दिया। 14 वर्षों की प्रतीक्षा, सैकड़ों बेगुनाहों की कुर्बानी और न्याय के लिए लगातार प्रयास, अंततः 26/11 मुंबई हमलों के एक प्रमुख साजिशकर्ता तहव्वुर हुसैन राणा को अमेरिका से भारत प्रत्यर्पित कर लाया गया। यह केवल एक आतंकवादी की गिरफ्तारी नहीं है, बल्कि यह उस संकल्प की जीत है जो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में ठआतंक के विरुद्ध जीरो टोलरेंसठ की नीति का प्रतिबिंब है।तहव्वुर राणा का प्रत्यर्पण केवल एक सामान्य कानूनी प्रक्रिया नहीं है, यह उस नए भारत के संकल्प का प्रतीक है, जिसे 2019 में आदरणीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने स्पष्ट किया था। ङ्घअगर कोई भारत की एकता, अखंडता, सुरक्षा या किसी भी निर्दोष नागरिक पर हमला करेगा, तो भारत उसे पाताल से भी खोजकर न्याय के दरवाजे तक लाएगा।ङ्घ यह नए भारत की सोच और उसके साहस का प्रतीक है, जो अब आतंकी हमलों के सामने चुप और मूकदर्शक नहीं रहेगा, बल्कि आतंकियों को घर में घुसकर जवाब देगा।यह प्रत्यर्पण केवल राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसियों की सफलता नहीं, बल्कि भारत की वैश्विक कूटनीतिक ताकत का भी परिचायक है। अमेरिका की जेलों और अदालतों में राणा ने वर्षों तक प्रत्यर्पण का विरोध किया, लेकिन मोदी सरकार के सतत प्रयासों, विदेश मंत्रालय, गृह मंत्रालय और एनआईए की सक्रिय भूमिका के चलते आज वह भारत की धरती पर न्याय के कठघरे में खड़ा है। यूपीए सरकार के समय राणा पर महज एफआईआर दर्ज कर दी गई थी और प्रत्यर्पण के लिए कोई ठोस प्रयास नहीं किए गए। कांग्रेस कहती रही कि उन्होंने अमेरिका से राणा को लाने की कोशिश की थी, लेकिन यह महज बयानबाजी से ज्यादा कुछ नहीं। लेकिन इसके उलट मोदी सरकार ने कानूनी और कूटनीतिक दोनों स्तरों पर तालमेल बैठाकर राणा के प्रत्यर्पण का रास्ता साफ किया। 2019 में भारत ने आधिकारिक तौर पर प्रत्यर्पण की मांग की, जिसे अमेरिका की अदालतों में कड़े तर्कों और साक्ष्यों के आधार पर प्रस्तुत किया गया। राणा की टीम ने ठडबल जोपर्डीठ (एक ही अपराध के लिए दो बार मुकदमा नहीं चलाया जा सकता) का तर्क देकर बचने की कोशिश की, लेकिन भारत सरकार के मजबूत पक्ष ने उस दलील को खारिज कर दिया। अंततः अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने भारत के पक्ष में अपना फैसला दिया। जब 26/11 जैसा जघन्य हमला हुआ था, तब भारत की सेना कार्रवाई के लिए तैयार थी। उस समय के एयर फोर्स प्रमुख एयर चीफ मार्शल फली होमी मेजर ने स्वयं कहा था कि भारत ने 9/11 की तरह जवाब देने की योजना बनाई थी। सेना तैयार थी, संसाधन थे, लेकिन राजनीतिक इच्छाशक्ति नहीं थी। उस समय की सरकार ने कार्रवाई के आदेश नहीं दिए। आज जब भारत की सेना सर्जिकल स्ट्राइक और बालाकोट एयर स्ट्राइक जैसे निर्णायक कदम उठा रही है। यह इस अंतर का प्रमाण है कि राजनीति में नेतृत्व अगर निर्णायक हो तो राष्ट्रीय सुरक्षा भी निर्णायक होती है। पिछले 5 वर्षों में मोदी सरकार ने 23 अपराधियों और आतंकियों का सफलतापूर्वक प्रत्यर्पण कराया है। इनमें कई बड़े आर्थिक अपराधी, आतंकी और भगोड़े शामिल हैं। इससे यह स्पष्ट होता है कि भारत अब केवल शब्दों में नहीं, कर्मों से आतंक के खिलाफ निर्णायक लड़ाई लड़ रहा है। राणा की गिरफ्तारी केवल कानूनी प्रक्रिया नहीं, यह उन सैकड़ों परिवारों को भी आश्वस्त करती है जिन्होंने 26/11 में अपनों को खोया। 2008 के उस काले दिन में 166 निर्दोष नागरिक मारे गए थे, जिनमें 6 अमेरिकी भी शामिल थे। तहव्वुर राणा न केवल इन हमलों की साजिश में शामिल था, बल्कि डेविड हेडली को भारत भेजने, उसे वीजा दिलाने और ताज होटल जैसे लक्ष्यों की रेकी में मदद करने में भी उसकी अहम भूमिका थी। अब जब राणा भारत की न्यायिक प्रक्रिया में है, तो देशवासियों की निगाहें डेविड कोलमैन हेडली की ओर भी हैं। भारत सरकार ने पहले ही संकेत दिया है कि हेडली के प्रत्यर्पण के लिए भी प्रयास जारी हैं। यह एक लंबा और जटिल प्रक्रिया है, लेकिन जिस तरह से तहव्वुर राणा को भारत लाया गया, उससे यह उम्मीद बनती है कि हेडली को भी न्याय के कठघरे में खड़ा किया जाएगा। तहव्वुर राणा का प्रत्यर्पण सिर्फ एक कार्रवाई नहीं, यह भारत की सुरक्षा नीति की परिपक्वता और मोदी सरकार की राजनीतिक इच्छाशक्ति का परिणाम है। जो काम कांग्रेस सरकार ने नहीं किया, वह काम मोदी सरकार ने करके दिखाया। यह उन आलोचकों के लिए भी करारा जवाब है जो कहते हैं कि ठसरकार सिर्फ बातें करती है, काम नहीं।ठ आज भारत आतंकवाद को लेकर दुनिया को स्पष्ट संदेश दे रहा है, चाहे जितना भी वक्त लगे, लेकिन दोषी को छोड़ा नहीं जाएगा।

राज्यपाल की मंजूरी बिना तमिलनाडु में 10 कानून लागू, स्टालिन सरकार बोली- सुप्रीम आदेश आधार

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। भारत के विधायी इतिहास में पहली बार तमिलनाडु सरकार ने राज्यपाल या राष्ट्रपति की मंजूरी के बिना 10 कानून लागू किए हैं। मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के नेतृत्व वाली द्रमुक सरकार ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश को आधार बनाकर इस संबंध में अधिसूचना

जारी कर दी है।तमिलनाडु सरकार ने सुप्रीम कोर्ट के एक फैसले के आधार पर राज्य में 10 कानून लागू कर दिए हैं। राज्य विधानमंडल से पारित इन विधेयकों को राज्य सरकार ने शनिवार को आधिकारिक राजपत्र में अधिसूचित किया, जिसमें कहा गया कि इन कानूनों को राज्यपाल आरएन रवि की ओर से स्वीकृति दे गई है। तमिलनाडु सरकार का यह निर्णय देश में ऐसा पहला उदाहरण है, जहां राज्य सरकार ने राष्ट्रपति या राज्यपाल की स्वीकृति के बजाय न्यायालय के आदेश के आधार पर कानून को लागू किया है।राज्य सरकार की ओर से अधिसूचना सुप्रीम कोर्ट की तरफ से अपनी वेबसाइट पर अपना फैसला अपलोड किए जाने के एक दिन बाद जारी की गई। शीर्ष अदालत ने अपने आदेश में विधेयकों को मंजूरी देने में देरी करने और विधायिका की ओर से उन्हें पुनः पारित किए जाने के बाद उन्हें राष्ट्रपति के पास भेजने के लिए राज्यपाल की आलोचना भी की है।

सरकार के राजपत्र अधिसूचनाओं में सुप्रीम कोर्ट के 8 अप्रैल के आदेश का हवाला दिया गया है, जिसमें कहा गया है कि राज्यपाल की ओर से विधेयक लौटाए जाने और विधायिका की तरफ से उन्हें पुनः पारित किए जाने के बाद, राज्यपाल को सांविधानिक रूप से उस पर सहमति देना आवश्यक है और वह इसे राष्ट्रपति के पास नहीं भेज सकते।राज्य सरकार ने अधिसूचना में आगे कहा, उक्त विधेयक को सुरक्षित रखने की तिथि के बाद माननीय राष्ट्रपति की ओर से की गई सभी कार्रवाइयां कानून के अंतर्गत नहीं हैं और उक्त विधेयक को मंजूरी के लिए उनके समक्ष प्रस्तुत किए जाने की तिथि को माननीय राज्यपाल की तरफ से मंजूरी दे दी गई मानी जाएंगी। 10 विधेयकों में से नौ मुख्य रूप से विश्वविद्यालयों पर राज्य के नियंत्रण से संबंधित हैं, जो राज्यपाल को प्रमुख संस्थानों के कुलाधिपति के रूप में प्रतिस्थापित करते हैं। इन विधेयकों को 2022 और 2023 के बीच पारित किया गया था। एक विधेयक 2020 में पारित किया गया था। राज्यपाल ने अनुच्छेद 200 के तहत समय पर स्वीकृत किए बिना विधेयकों को रोक दिया गया, जिसके बाद राज्य सरकार ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था। जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस आर महादेवन की पीठ ने अनुच्छेद 142 के तहत अपनी असाधारण शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए फैसला सुनाया कि इन विधेयकों को उस दिन से स्वीकृत माना जाएगा, जिस दिन उन्हें पुनः पारित किए जाने के बाद राज्यपाल के पास दोबारा भेजा गया था। द्रमुक सांसद और वरिष्ठ वकील पी विल्सन ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, सुप्रीम कोर्ट के आदेश के अनुसार तमिलनाडु सरकार ने सरकारी राजपत्र में 10 अधिनियमों को अधिसूचित किया है और वे लागू हो गए हैं। इतिहास रच दिया गया है क्योंकि ये भारत में किसी भी विधानमंडल के पहले अधिनियम हैं जो राज्यपाल या राष्ट्रपति के हस्ताक्षर के बिना बल्कि शीर्ष न्यायालय के निर्णय के आधार पर प्रभावी हुए हैं। तमिलनाडु के संबंध में सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अनुच्छेद 200 के तहत राज्यपालों के कार्यों के लिए समयसीमा तय करने में वह राज्यपाल के पद को कमजोर नहीं कर रहा है। लेकिन राज्यपालों को संसदीय लोकतंत्र की स्थापित परंपराओं के प्रति उचित सम्मान के साथ कार्य करना चाहिए। जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस आर महादेवन की पीठ ने तमिलनाडु के राज्यपाल आरएन रवि की ओर से विधानसभा से पारित विधेयकों पर बिना किसी कार्रवाई के रोके रखने के कृत्य की आलोचना करते हुए 8 अप्रैल के अपने आदेश में कहा, हम किसी भी तरह से राज्यपाल के पद को कमतर नहीं आंक रहे हैं।

भारत ने भी शिपिंग पर पहले वैश्विक कार्बन टैक्स के पक्ष में किया मतदान

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। भारत ने भी शिपिंग पर पहले वैश्विक कार्बन टैक्स के पक्ष में मतदान किया है। टैक्स का उद्देश्य पानी के जहाजों से ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करना। ज्यादा उत्सर्जन वाले ईंधन के इस्तेमाल पर प्रदूषण के लिए टैक्स देना होगा।भारत ने शिपिंग (पोत परिवहन) पर दुनिया के पहले वैश्विक कार्बन टैक्स के पक्ष में किया मतदान। भारत के अलावा चीन समेत 62 अन्य देशों ने भी संयुक्त राष्ट्र की पोत परिवहन एजेंसी के उद्योग पर वैश्विक कार्बन टैक्स लगाने के प्रस्ताव के पक्ष में मतदान किया है। इस समझौते को अंतरराष्ट्रीय जलवायु नीति के लिए एक सफलता के रूप में देखा जा रहा है।एक हफ्ते चली लंबी बातचीत के बाद शुक्रवार को लंदन में अंतरराष्ट्रीय समुद्री संगठन (आईएमओ) के मुख्यालय में इस बारे में फैसला किया गया। इस कदम का उद्देश्य पानी के जहाजों से ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करना और स्वच्छ प्रौद्योगिकियों को बढ़ावा देना है। यह पहली बार है जब किसी पूरे उद्योग पर वैश्विक कार्बन कर लगाया गया है। इसके तहत वर्ष 2028 से जहाजों को या तो कम उत्सर्जन वाले ईंधन को अपनाना होगा या उनके द्वारा किए गए प्रदूषण के लिए शुल्क का भुगतान करना होगा। कार्बन टैक्स से साल 2030 तक 40 अरब डॉलर की राशि जुटाई जा सकती है। कार्बन टैक्स से जुटाए गए राजस्व का इस्तेमाल समुद्री क्षेत्र को कार्बन मुक्त करने के लिए किया जाएगा। विकासशील देशों की जलवायु वित्त संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करने में विफल रहने के कारण

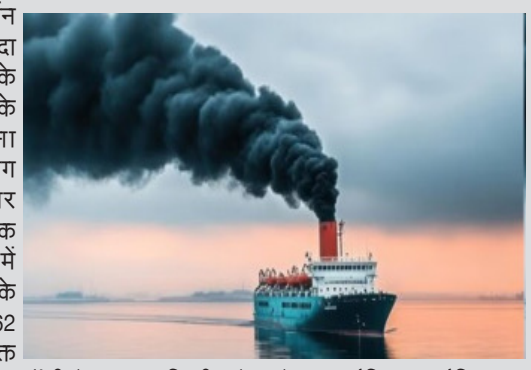

इसकी आलोचना भी हो रही है। कार्बन मूल्य निर्धारण से साल 2030 तक शिपिंग उत्सर्जन में केवल 10 प्रतिशत की कमी आने की उम्मीद है, जो कि आईएमओ के अपने लक्ष्य 20 प्रतिशत से बहुत कम है। भारत के अलावा जिन 62 देशों ने वैश्विक कार्बन टैक्स के पक्ष में मतदान किया, उनमें चीन और ब्राजील भी शामिल हैं। हालांकि, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), रूस और वेनेजुएला जैसे तेल संपन्न देशों ने कार्बन टैक्स के विरोध में मतदान किया। जबकि, अमेरिका ने वार्ता में भाग नहीं लिया और मतदान के दौरान अनुपस्थित रहा।

बंगाल के शीर्ष अधिकारियों से केंद्रीय गृह सचिव ने की बात, मुर्शिदाबाद हिंसा की ली पूरी जानकारी

बंगाल। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में वक्फ कानून के विरोध में हुई हिंसक झड़पों के बीच शनिवार को केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन ने राज्य के मुख्य सचिव और डीजीपी के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये बात की। उन्होंने शीर्ष अधिकारियों

को जरूरत पड़ने पर हर संभव सहायता देने का आश्वासन दिया। इस दौरान डीजीपी ने केंद्रीय सचिव को जमीनी स्थिति के बारे में जानकारी दी। केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन ने शनिवार को पश्चिम बंगाल के शीर्ष अधिकारियों ने मुर्शिदाबाद हिंसा को लेकर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये बात की। इस दौरान उन्होंने कहा कि हिंसा पर केंद्र करीब से नजर रख रहा है। उन्होंने बंगाल के शीर्ष अधिकारियों से कहा कि वह भी अन्य संवेदनशील इलाकों पर कड़ी नजर रखें। साथ ही जल्द से जल्द सामान्य स्थिति सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त उपाय करें। बता दें कि मुस्लिम बहुल मुर्शिदाबाद जिले में वक्फ कानून को वापस लेने की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन किया जा रहा है। इस हिंसक प्रदर्शन से कथित तौर पर जुड़ी झड़पों में पिता-पिता पुत्र सहित तीन लोगों की मौत हो गई है। हिंसा को लेकर केंद्रीय गृह सचिव मोहन ने बंगाल के मुख्य सचिव और डीजीपी के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये बात की। इस दौरान केंद्रीय गृह सचिव ने कहा कि केंद्र स्थिति पर करीब से नजर रख रहा है। उन्होंने राज्य सरकार को जरूरत पड़ने पर अतिरिक्त जवानों की तैनाती समेत हर संभव सहायता का आश्वसन दिया।

मंत्री पोनमुडी के अपमानजनक बयान से भड़का विहिप, मंत्रिमंडल से तत्काल हटाने की मांग की

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। तमिलनाडु के मंत्री के पोनमुडी द्वारा शैव और वैष्णव धर्म के प्रतीकों पर अपमानजनक बयान दिए जाने से विश्व हिंदू परिषद भड़क गया है। विहिप ने मंत्री को स्टालिन

मंत्रिमंडल से तत्काल हटाने की मांग की है। साथ ही चेतावनी दी है कि यदि ऐसा नहीं किया गया तो संगठन 15 अप्रैल को राज्यव्यापी विरोध प्रदर्शन करेगा। विश्व हिंदू परिषद उत्तर तमिलनाडु ने शनिवार को शैव और वैष्णव धर्म के प्रतिकों पर अपमानजनक बयान देने के विरोध में मंत्री के पोनमुडी पर निशाना साधा। विहिप ने मंत्री को स्टालिन मंत्रिमंडल से तत्काल हटाने की मांग की। इस दौरान विहिप ने चेतावनी दी कि अगर मंत्री पोनमुडी को मंत्रिमंडल से नहीं हटाया जाता है, तो संगठन इस मांग के समर्थन में 15 अप्रैल को राज्यव्यापी विरोध प्रदर्शन करेगा। विहिप उत्तर तमिलनाडु के राज्य अध्यक्ष अंदाल पी चोकलिंगम ने मंत्री पोनमुडी के 'अश्लील' बयान की निंदा की। उन्होंने कहा कि 6 अप्रैल को डीएण्के के एक कार्यक्रम में मंत्री ने हिंदू प्रतीकों को नीचा दिखाने के लिए घटिया और अश्लील शब्दों का प्रयोग किया।

मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा बोले- प्राइवेट प्लेसमेंट विधेयक से रोजगार के नाम पर नहीं हो सकेगी ठगी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। राज्य के कैबिनेट मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा ने बताया कि महायुती सरकार राज्य के

प्रत्येक युवा को सुरक्षित रोजगार दिलाने की दिशा में कार्य कर रही है। प्राइवेट प्लेसमेंट एजेंसियों के माध्यम से युवाओं को ठगे जाने की बढ़ती घटनाओं पर नकेल कसने के लिए बीते महीने बजट सत्र में महाराष्ट्र निजी प्लेसमेंट एजेंसियों (विनियमन) विधेयक में कड़े प्रावधान किये गये हैं। महाराष्ट्र में युवाओं के रोजगार में अब निजी प्लेसमेंट एजेंसियां मनमानी नहीं कर सकेगी। राज्य विधानमंडल के बजट सत्र में महाराष्ट्र प्राइवेट प्लेसमेंट एजेंसियों (विनियमन) विधेयक, 2025 मंजूर किया गया है। इस विधेयक के पारित होने से अब युवाओं के साथ रोजगार के नाम पर ठगी नहीं हो सकेगी। राज्य के कौशल विकास, रोजगार, उद्यमिता और नवाचार मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा ने शनिवार को यह जानकारी दी। राज्य के कैबिनेट मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा ने बताया कि महायुती सरकार राज्य के प्रत्येक युवा को सुरक्षित रोजगार दिलाने की दिशा में कार्य कर रही है। प्राइवेट प्लेसमेंट एजेंसियों के माध्यम से युवाओं को ठगे जाने की बढ़ती घटनाओं पर नकेल कसने के लिए बीते महीने बजट सत्र में महाराष्ट्र निजी प्लेसमेंट एजेंसियों (विनियमन) विधेयक में कड़े प्रावधान किये गये हैं। यदि अब कोई प्लेसमेंट एजेंसी किसी युवक के साथ धोखाधड़ी करती है या फिर झूठे वादे करती है और दोषी पाई जाती है तो उसके खिलाफ 50 हजार से तीन लाख रुपये तक का जुर्माना लग सकता है। तीन वर्ष के कारावास की सजा हो सकती है। इसके साथ ही उसका रजिस्ट्रेशन भी रद्द कर दिया जायेगा। लोढ़ा ने बताया कि अब प्राइवेट प्लेसमेंट एजेंसियों हर पांच साल में अपने रजिस्ट्रेशन का नूतनीकरण कराना अनिवार्य कर दिया गया है। मंत्री लोढ़ा ने कहा कि महाराष्ट्र भारत की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है, जो देश के सकल घरेलू उत्पाद में 14 प्रतिशत यानी 35.27 लाख करोड़ रुपये का योगदान देता है। राज्य की अर्थव्यवस्था को वर्ष 2028 तक एक ट्रिलियन डॉलर बनाने के लक्ष्य के तहत काम हो रहा है। इसके लिए कौशल विकास, रोजगार, उद्यमिता और नवाचार विभाग करीब 1500 से अधिक उद्योगों और 2 लाख से अधिक प्रशिक्षुओं को जोड़कर कौशल आवश्यकता विश्लेषण सर्वेक्षण (एमएसएनएएस) किया है। महाराष्ट्र न केवल कौशल अंतर को पाटने की कोशिश में है बल्कि के उद्योगों की नींव को भी मजबूत करने का प्रयास किया जा रहा है।

सीएम माझी के नेतृत्व में बदल रही है ओडिशा की तस्वीर, कई योजनाओं के बदले नाम

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। मोहन चरण माझी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पहली बार राज्य में

अपने दम पर सत्ता पर काबिज हुई है। माझी सरकार ने पूर्व मुख्यमंत्री नवीन पटनायक के 24 साल के शासन को खत्म कर दिया है और सरकार पिछले प्रशासन की छाया को खत्म करने का प्रयास कर रही है। मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी के नेतृत्व में ओडिशा की छवि बदल रही है। पर्यटकों को सबसे ज्यादा जो चीज प्रभावित कर रही है, वह है इमारतों का रंग बदलना, जो कि ज्यादातर ओडिशा सरकार की हैं। पहले यह इमारतें हल्के हरे रंग की थीं, जो अब हल्के नारंगी रंग में बदल गई हैं। कर्मचारी कई इमारतों के बाहरी हिस्सों को हल्के नारंगी रंग में रंगने में व्यस्त हैं। भुवनेश्वर शहर की सड़कों से लेकर बसों का रंग बदला जा रहा है। राज्य के सार्वजनिक परिवहन बेड़े का हिस्सा हरे रंग की मो बसें (माई बस) को चमकीले नारंगी और सफेद या पूरी तरह से नारंगी रंग की अमा बसों (हमारी बस) से बदला जा रहा है। यह बदलाव केवल राजधानी भुवनेश्वर तक ही सीमित नहीं है, बल्कि शहरों और गांवों में भी इसी तरह के बदलाव हो रहे हैं। मोहन चरण माझी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पहली बार राज्य में अपने दम पर सत्ता पर काबिज हुई है। माझी सरकार ने पूर्व मुख्यमंत्री नवीन पटनायक के 24 साल के शासन को खत्म कर दिया है और सरकार पिछले प्रशासन की छाया को खत्म करने का प्रयास कर रही है।

यूक्रेनी दूतावास का दावा- रूसी मिसाइल ने भारतीय दवा कंपनी को बनाया गया निशाना

यूक्रेन। यूक्रेन में भारतीय दवा कंपनी कुसुम फार्मा के गोदाम पर रूस ने मिसाइल से हमला किया है। यूक्रेनी दूतावास ने यह जानकारी

दी। दूतावास ने आरोप लगाया कि रूस जानबूझकर भारतीय व्यवसायों को निशाना बना रहा है और बच्चों-बुजुर्गों के लिए बनी दवाएं नष्ट कर रहा है।यूक्रेनी दूतावास ने शनिवार को जानकारी दी कि रूस की ओर से दागी गई एक मिसाइल ने भारतीय दवा कंपनी कुसुम फार्मा के गोदाम को निशाना बनाया। दूतावास ने कहा कि भारतीय व्यापारिक हितों को जानबूझकर नुकसान पहुंचाने के लिए हमला किया गया है। नई दिल्ली स्थित यूक्रेनी दूतावास ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में आरोप लगाया कि मॉस्को जानबूझकर भारतीय व्यवसायों को निशाना बना रहा है और बच्चों व बुजुर्गों के लिए बनी दवाओं को नष्ट कर रहा है। दूतावास ने कहा, आज रूसी मिसाइल ने यूक्रेन में भारतीय दवा कंपनी कुसुम फार्मा के गोदाम पर हमला किया। सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में यूक्रेनी दूतावास ने कहा, रूस भारत के साथ विशेष मित्रता का दावा करता है, लेकिन भारतीय व्यवसायों को निशाना बना रहा है। बच्चों और बुजुर्गों के लिए बनी दवाओं को नष्ट कर रहा है। तत्काल अधिक जानकारी उपलब्ध नहीं कराई गई है। इससे पहले, यूक्रेन में ब्रिटेन के राजदूत मार्टिन हैरिस ने भी दावा किया कि रूसी हमलों ने कीव में एक प्रमुख दवा गोदाम को नष्ट कर दिया है। उन्होंने कहा कि हमला रूसी ड्रोन द्वारा किया गया था। हैरिस ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, शनिवार सुबह रूसी ड्रोन ने कीव में एक प्रमुख दवा गोदाम को पूरी तरह से नष्ट कर दिया, जिसमें बुजुर्गों और बच्चों के लिए आवश्यक दवाओं का स्टॉक जलकर राख हो गया। यूक्रेनी नागरिकों के खिलाफ रूस का आतंक अभियान जारी है। बात दें कि पिछले कुछ दिनों में, रूस ने यूक्रेन में कई ठिकानों पर बमबारी की, जबकि अमेरिका कीव और मॉस्को के बीच युद्ध विराम के लिए दबाव बना रहा है। यूक्रेन में युद्ध विराम पर चर्चा करने के लिए अमेरिकी दूत स्टीव विटकॉफ ने शुक्रवार को सेंट पीटर्सबर्ग में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात की थी। यूक्रेनी विदेश मंत्री एंड्री सिबिहा ने आरोप लगाया कि रूस शांति के लिए एकमात्र बाधा है। उल्लेखनीय है कि कुसुम हेल्थकेयर की उपस्थिति 29 देशों में है। इसमें यूक्रेन, मोल्दोवा, उज्बेकिस्तान, कजाकिस्तान केन्या, आइवरी कोस्ट, बेनिन, बुर्किना फासो, इथियोपिया, नाइजर, कैमरून, माली और तंजानिया शामिल हैं। कंपनी की तरफ से अभी कोई बयान जारी नहीं किया गया है।

सेना प्रमुख ने वङ्कू कोर का दौरा किया, पश्चिमी सीमाओं पर इसकी परिचालन तैयारियों का लिया जायजा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। सेना प्रमुख ने वङ्कू कोर का दौरा किया और पश्चिमी सीमाओं पर इसकी परिचालन तैयारियों का आकलन भी किया। दौरान जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने सभी रैंकों को 2047 तक 'विकसित भारत' के राष्ट्रीय दृष्टिकोण के तहत एक आधुनिक, चुस्त बल की दिशा में सेना के परिवर्तन रोडमैप के अनुरूप का दौरा किया। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि इस दौरे का मुख्य आकर्षण सेना प्रमुख का भूतपूर्व सैनिकों से बातचीत करना और राष्ट्र निर्माण में उनकी निस्वार्थ

इस दौरान उन्होंने सभी रैंकों को प्रत्साहित भी किया। सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी के साथ पश्चिमी कमान के जनरल ऑफिसर कमांडिंग इन चीफ भी थे। सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने शनिवार को वङ्कू कोर का दौरा किया और पश्चिमी सीमाओं पर इसकी परिचालन तैयारियों का आकलन किया। इस मामले में अधिकारियों ने बताया कि, उन्होंने सैनिकों के उच्च मनोबल, व्यावसायिकता और अटूट समर्पण की सराहना करते हुए उनसे सेना के 'परिचालन उत्कृष्टता के सटीक मानकों' को बनाए रखने का आग्रह किया। इस अत्याधुनिक तकनीकों का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया।सेना प्रमुख के साथ पश्चिमी कमान के जनरल ऑफिसर कमांडिंग इन चीफ भी थे। पंजाब में कोर पश्चिमी कमान के अंतर्गत आता है। अधिकारियों ने बताया कि एक व्यापक ब्रीफिंग के दौरान वङ्कू कोर के जनरल ऑफिसर कमांडिंग ने सेना प्रमुख को मौजूदा सुरक्षा माहौल और कोर की तत्परता की स्थिति के बारे में जानकारी दी।जनरल द्विवेदी ने बाद में अग्रिम मोर्चे पर तैनात सैन्य बलों की जमीनी स्तर की तैयारियों को प्रत्यक्ष रूप से समझने के लिए चुनिंदा अग्रिम जगहों सेवा तथा निरंतर योगदान के लिए उन्हें सम्मानित करना था। उन्होंने बताया कि सेना प्रमुख ने सीमा और भीतरी इलाकों की सुरक्षा में भारतीय वायुसेना, सीमा सुरक्षा बल, पंजाब पुलिस और अन्य हितधारकों के बीच निर्बाध तालमेल पर संतोष व्यक्त किया। उनके साथ मौजूद सेना महिला कल्याण संघ (एडब्ल्यूडब्ल्यूए) की अध्यक्ष सुनीता द्विवेदी ने परिवारों और भूतपूर्व सैनिकों की भलाई के लिए वङ्कू कोर की तरफ से की जा रही कई कल्याणकारी पहलों की समीक्षा की, जो कल्याण और सामुदायिक समर्थन के प्रति सेना के समग्र दृष्टिकोण को दर्शाता है।

राज्यपाल बोस बोले- हाईकोर्ट ने सही समय पर लिया निर्णय, शांति के लिए केंद्रीय बलों की तैनाती आवश्यक

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने मुर्शिदाबाद में केंद्रीय बलों की तैनाती करने के कलकत्ता हाईकोर्ट के आदेश पर खुशी जताई। उन्होंने कहा कि कोर्ट ने सही समय पर सही निर्णय लिया है। हिंसा प्रभावित इलाकों में शांति के लिए केंद्रीय बलों की तैनाती जरूरी है। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने मुर्शिदाबाद सहित पश्चिम बंगाल के दंगा प्रभावित क्षेत्रों में केंद्रीय बलों की तैनाती करने के कलकत्ता हाईकोर्ट के निर्णय पर खुशी जताई। उन्होंने कहा कि हाईकोर्ट ने उचित समय पर उचित निर्णय लिया है। दंगा प्रभावित क्षेत्रों में शांति बनाए रखने के लिए केंद्रीय बलों की तैनाती आवश्यक है।राज्यपाल बोस ने कहा, 'कलकत्ता हाईकोर्ट ने मुर्शिदाबाद सहित पश्चिम बंगाल के दंगा प्रभावित क्षेत्रों में केंद्रीय बलों की तैनाती का आदेश दिया है। उन क्षेत्रों में शांति बनाए रखने और सामान्य स्थिति लाने के लिए केंद्रीय बलों की तैनाती आवश्यक है। मैंने विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं के साथ भी स्थिति पर चर्चा की है। मुझे खुशी है कि हाईकोर्ट ने हस्तक्षेप किया और उचित समय पर उचित निर्णय दिया।' इस बीच, भाजपा नेता दिलीप घोष ने कहा कि मुर्शिदाबाद जिले को बंगाल से अलग करने की साजिश चल रही है। हिंदू इलाकों में आगजनी और तोड़फोड़ हो रही है। हिंदुओं की हत्या की गई है, फिर भी डीजीपी कहते हैं कि कुछ नहीं हुआ। यह दुर्भाग्यपूर्ण है। वहीं, नेता प्रतिपक्ष और भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर निशाना साधा। उन्होंने सीएम ममता पर तुष्टिकरण की राजनीति करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि राज्य में यहां हिंदू त्योहार मनाने के लिए कोर्ट जाना पड़ता है। आज भी काफी हिंसा हुई। स्थिति पुलिस नियंत्रण से बाहर है। अब तक 35 पुलिसकर्मी घायल हो चुके हैं। ममता बनर्जी तुष्टिकरण की राजनीति कर रही हैं। अधिकारी ने आगे कहा कि मैंने पहले भी राज्यपाल को बंगाल में केंद्रीय बलों की तैनाती के लिए पत्र लिखा था। बीते कल मैंने मुख्यमंत्री से भी अपील की थी। जब इन लोगों ने मेरी बात नहीं सुनी तो मुझे कोर्ट का दरवाजा खटखटाना पड़ा। उन्होंने कहा कि कल कॉलेज स्क्वायर में भाजपा की रैली है। जमीनी हकीकत यह है कि बंगाल में हिंदू सुरक्षित नहीं हैं, स्थिति बहुत गंभीर और नाजुक है। पश्चिम बंगाल के नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी का प्रतिनिधित्व करने वाले वकील अनीश मुखर्जी, जिन्होंने केंद्रीय बलों की तैनाती और एनआईए जांच की मांग करते हुए एक जनहित याचिका दायर की है, ने कहा कि पिछले कई दिनों से हम पूरे पश्चिम बंगाल में विशेष रूप से मुर्शिदाबाद जिले में व्यापक हिंसा देख रहे हैं। हाईकोर्ट ने ममता सरकार और केंद्र दोनों को स्थिति पर विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। मामले की अगली सुनवाई 17 अप्रैल को होनी है। उन्होंने कहा कि मामले की सुनवाई के बाद, कोर्ट ने निर्देश दिया कि मुर्शिदाबाद जिले में केंद्रीय बलों की तैनाती तुरंत की जानी चाहिए। राज्य प्रशासन केंद्रीय बलों की सहायता करेगा ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि किसी भी तरह से जानमाल की हानि या बाधा या कानून का उल्लंघन न हो।

बॉलीवुड/टैली मसाला

सनी देओल के रोमांस के बजाए गुस्से को क्यों पसंद करते हैं फैंस एक्टर ने खुद बताई वजह

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। फिल्म जाट के अभिनेता सनी देओल ने बताया है कि लोग उनके रोमांटिक रोल से ज्यादा गुस्से वाले रोल को क्यों पसंद करते हैं?

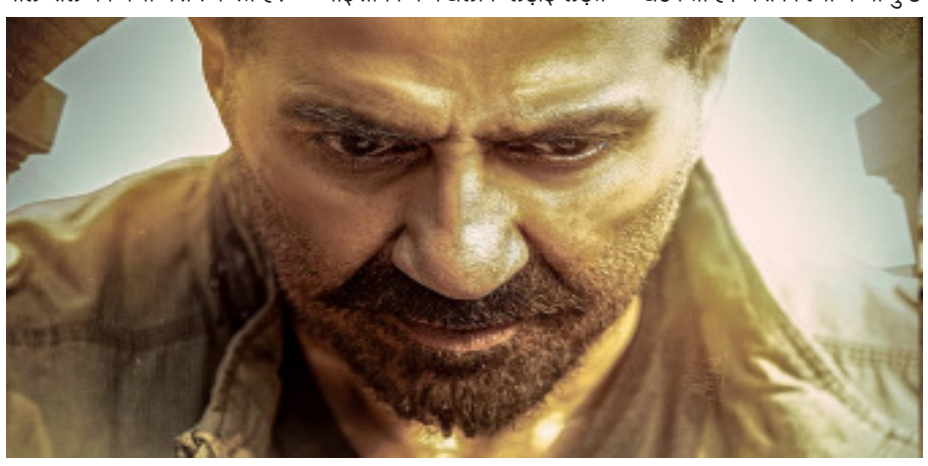

सनी देओल की फिल्म 'जाट' 10 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। फिल्म की बॉक्स ऑफिस पर अच्छी शुरूआत रही। फिल्म में सनी देओल ने बलदेव प्रताप सिंह का रोल अदा किया है। फिल्म में वह तटीय गांव में जाते हैं जहां पर राणा तुंगा (रणदीप हुड्डा) राज कर रहे होते हैं। इसके बाद सनी देओल अपने गुस्से वाले रोल में गांव में नाइंसाफी के खिलाफ लड़ाई लड़ते हैं। एक्टर ने हाल ही में एक इंटरव्यू में बताया कि वह ज्यादातर फिल्मों में रोमांस के बजाए गुस्सा वाला रोल ही क्यों करते है बॉलीवुड लाइफ से बात करते हुए सनी देओल ने बताया कि उनका किरदार अकसर गलत हो रहा होता है, जो मुझे खटकता है। ज्यादातर लोग मुझे तब याद करते हैं जब मैं गुस्से वाला रोल निभाता हूं न कि रोमांटिक सीन।' सनी देओल ने आगे कहा कि अभिनेताओं को वही किरदार करने चाहिए जो बहुत अच्छा कर सकें और असली लगे। यही ईमानदारी है। 'बाकी मैं नहीं जानता, मैं बस उस सीन में अपने आपको ढाल देता हूं। इसके बाद मैं इसे महसूस करना चाहता हूं और इसे करना चाहता हूं। जब मैं इस तरह के किरदार कर देता हूं तो मैं खुश होता हूं और अपने आप से संतुष्ट होता हूं कि यह असली है। जब मैं गलत करता हूं तो मैं इसे जानता हूं। लेकिन जब मुझसे दोबारा वही करने के लिए कहा जाता है तो मैं इसे नहीं कर सकता।' आपको बता दें कि 'जाट' फिल्म ने पहले दिन बॉक्स ऑफिस पर 9.5 करोड़, दूसरे दिन सात करोड़ और तीसरे दिन 10 करोड़ की कमाई की थी। इस तरह से फिल्म की कमाई तीसरे दिन तक 26.5 करोड़ रुपये हो चुकी थी। गोपीचंद मालिनेनी के निर्देशन में बनी फिल्म में सनी देओल, रणदीप हुड्डा, सैयामि खेर, रेजिना कैंसेंड्रा और विनीत कुमार सिंह अहम रोल में हैं।

प्यार और सेवा के साथ मनजोत सिंह मनाते हैं बैसाखी, बचपन की यादों को किया साझा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। अभिनेता मनजोत सिंह बैसाखी का त्योहार कैसे मनात हैं उसे साझा किया। साथ ही त्योहार को लेकर अपने बचपन से जुड़ी यादों को भी साझा किया। आज बैसाखी का त्योहार मनाया जा रहा है। देश भर में इसे बड़े को याद किया, उन्होंने कहा, 'मेरी मां हमेशा कहती है कि बैसाखी साल में एक बार आती है, लेकिन जब भी आप खाते हैं, तो आपको हमेशा किसानों की फसल अच्छी हो के लिए प्रार्थना करनी चाहिए। तो मैं आज भी हमेशा प्रार्थना करता हूं।' अपने बचपन की यादों

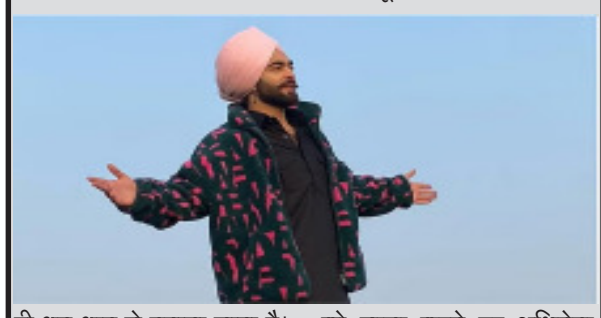

ही धूम-धाम से मनाया जाता है। दिल्ली में पले-बढ़े अभिनेता मनजोत सिंह की बैसाखी मनाने की बहुत अच्छी यादें हैं। उनकी यादों में गुरुद्वारे जाकर तैयारियों में मदद करना और परिवार के साथ समय बिताना शामिल है। वह इस उत्सव का बड़ी ही बेसब्री के साथ इंतजार करते हैं, जो सिख नववर्ष का प्रतीक है। अभिनेता मनजोत सिंह ने बताया कि वह इस दिन को कैसे मनाते हैं। हिंदुस्तान टाइम्स के मुताबिक उन्होंने कहा, 'हम इसे मिठाई बांटकर और लंगर का आयोजन करके मनाते हैं। बड़े ही आराम से, प्यार से, ना ज्यादा शोर-शराबा, अच्छे से मनाते हैं परिवार के साथ।' अपने निजी जीवन से एक किस्सा साझा करते हुए मनजोत ने अपनी मां से मिली सीख को साझा करते हुए अभिनेता कहत हैं कि इस दिन का मतलब उनके लिए गुरुद्वारे में सेवा के लिए समर्पित करना भी था। उन्होंने कहा, 'बैसाखी के दिन हम खेलते नहीं थे। हम गुरुद्वारे में समय बिताते थे, वहां की सफाईयां, सजावट और लंगर में जो बन रहा है, उसमें योगदान, जैसे कि हम राशन देते थे, यही सब करते थे। हम लंगर सेवा भी करते थे।ठ अपने पसंदीदा डिश के बारे में बात करते हुए उन्होंने बताय की उनकी मां बैसाखी पर हमेशा खीर बनाती हैं। मनजोत सिंह ओए लकी! लकी ओए!, फुकरे और ड्रीम गर्ल जैसी फिल्मों के लिए जाने जाते हैं। उनके आगामी कार्यों की बात करें तो वह 'परम सुंदरी' और 'किस किस को प्यार करूं 2' नजर आएंगे।

जलियांवाला बाग हत्याकांड की 106वीं बरसी पर अक्षय की खास पोस्ट, बोले- न भूला गया न माफ किया गया

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। जलियांवाला बाग हत्याकांड की 106वीं बरसी पर

उस दुखद घटना को लेकर है, जब बैसाखी के दिन शांतिपूर्ण सभा में शामिल लोग ब्रिटिश सेना की क्रूरता का शिकार बने। इसमें हजारों निर्दोष लोग मारे गए और घायल हुए। अक्षय ने अपने इस पोस्ट के जरिए न केवल शहीदों को याद किया, बल्कि आज की पीढ़ी को इतिहास के इस काले अध्याय से जोड़ने की कोशिश की है। अक्षय कुमार हमेशा से देशभक्ति और सामाजिक मुद्दों को अपने काम के जरिए सामने लाते हैं। चाहे उनकी फिल्में हों या फिर सोशल मीडिया पर उनके संदेश, वह देश के प्रति अपनी जिम्मेदारी को बखूबी निभाते हैं। जलियांवाला बाग की बरसी पर उनका यह वीडियो भी उसी जज्बे का हिस्सा है।

बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार ने उन शहीदों को याद किया, जिन्होंने आजादी की लड़ाई में अपनी जान गंवाई। इस मौके पर अक्षय ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो साझा किया जिसमें लिखा था, ङ्घन भूला गया, न माफ किया गया।ङ्घ अक्षय की यह पोस्ट जलियांवाला बाग की

अभिषेक शर्मा की तूफानी पारी की फैन हुईं प्रीति जिंटा, सोशल मीडिया पर की जमकर तारीफ

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। प्रीतिं जिंटा ने हाल ही में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाड़ी अभिषेक शर्मा की तूफानी पारी की जमकर तारीफ की। शनिवार को

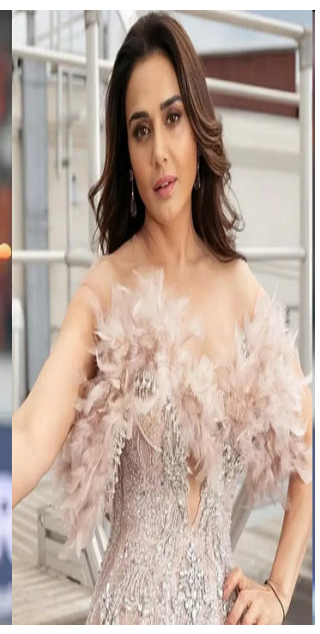

खेले गए मुकाबले में उन्होंने पंजाब किंग्स के खिलाफ शानदार शतक बनाया था।हैदराबाद के राजीव गांधी इंटरनेशनल स्टेडियम में 12 अप्रैल, 2025 को खेले गए आईपीएल मुकाबले में सनराइजर्स हैदराबाद ने प्रीति जिंटा की टीम पंजाब किंग्स को 8 विकेट से करारी शिकस्त दी। इस रोमांचक मैच में सनराइजर्स की जीत के हीरो युवा बल्लेबाज अभिषेक शर्मा रहे। उन्होंने 55 गेंदों में 141 रनों की ऐतिहासिक पारी खेलकर आईपीएल इतिहास में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले भारतीय बल्लेबाज का रिकॉर्ड अपने नाम किया। प्रीति जिंटा ने इस करारी हार के बावजूद अभिषेक की तारीफ में कोई कसर नहीं छोड़ी। पंजाब किंग्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 245 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया। यह स्कोर किसी भी टीम के लिए चुनौतीपूर्ण था, लेकिन अभिषेक शर्मा ने इसे आसान बना दिया। उन्होंने ट्रैविस हेड के साथ मिलकर 171 रनों की साझेदारी की और महज 40 गेंदों में शतक जड़ दिया। उनकी इस पारी में 14 चौके और 10 छक्के शामिल थे, जिसने पंजाब के गेंदबाजों को बेबस कर दिया। सनराइजर्स ने 18.3 ओवर में ही 246 रनों का लक्ष्य हासिल कर लिया, जिसमें सिर्फ दो विकेट गिरे। इस जीत ने सनराइजर्स को टूर्नामेंट में नई जान दी है। मैच हारने के बाद भी प्रीति जिंटा ने खेल भावना दिखाई। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अभिषेक शर्मा की तारीफ करते हुए लिखा, ठयह रात अभिषेक शर्मा के नाम है। क्या प्रतिभा है और उन्होंने क्या शानदार पारी खेली है। सनराइजर्स को बधाई। हमें इस हार को भूलकर आगे बढ़ना होगा, क्योंकि टू नामेंट में अभी बहुत कुछ बाकी है प्रीति ने अपनी टीम को भी सराहा और लिखा, ठश्रेयस अय्यर, प्रियांश आर्या, प्रभसिमरन सिंह और मार्कस स्टॉयनिस को उनकी शानदार कोशिश के लिए बधाई। मुझे गर्व है कि उन्होंने इतना अच्छा खेला। मुझे यकीन है कि हम अगले मैचों में और मजबूती से वापसी करेंगे प्रीति जिंटा पंजाब किंग्स की सह-मालकिन हैं। वह हमेशा अपनी टीम का जोश बढ़ाती नजर आती हैं। स्टेडियम में उनकी मौजूदगी खिलाड़ियों के लिए उत्साह का काम करती है। क्रिकेट के अलावा, प्रीति जल्द ही सनी देओल के साथ फिल्म 'लाहौर 1947' में बड़े पर्दे पर नजर आएंगी। फैंस उनकी इस फिल्म का लंबे समय से इंतजार कर रहे हैं।

अजित कुमार की फिल्म 'गुड बैड अग्ली' की नार्थ अमेरिका में हुई कितनी कमाई, आंकड़े कर देंगे हैरान

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। अजित कुमार की फिल्म 'गुड बैड अग्ली' इन दिनों सिनेमाघरों में लगातार बनी हुई है। फिल्म को प्रशंसकों की ओर से साकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है। वहीं अब 'गुड बैड अग्ली' की नॉर्थ अमेरिका और विदेशों में अच्छी कमाई कर रही है। 123 डॉट कॉम की एक खबर के अनुसार, नॉर्थ अमेरिका में इसने 9 लाख डॉलर से ज्यादा की कमाई कर ली है और जल्द ही 10 लाख डॉलर का आंकड़ा पार करने की उम्मीद है। फिल्म 'गुड बैड अग्ली' का निर्माण

की कमाई को लेकर एक अपडेट सामने आया है। अजित कुमार की फिल्म 'गुड बैड अग्ली' 10 अप्रैल, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। तमिल संस्करण को दर्शकों का शानदार रिस्पॉन्स मिल रहा है और यह बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन कर रही है। वहीं अब फिल्म की नॉर्थ अमेरिका में कमाई को लेकर जानकारी सामने आई है।आदिक रविचंद्रन के निर्देशन में बनी इस एक्शन ड्रामा फिल्म में तृषा कृष्णन मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म तमिलनाडु माइथ्री मूवी मेकर्स ने किया है और इसका संगीत जीवी प्रकाश कुमार ने तैयार किया है। 'गुड बैड अग्ली' ने शनिवार को बॉक्स ऑफिस पर 18.5 करोड़ रुपये की शानदार कमाई की और इसका कुल कलेक्शन अब 62.75 करोड़ रुपये हो गया है। 190 करोड़ रुपये के बड़े बजट में बनी इस फिल्म ने पहले दिन 28.5 करोड़ और दूसरे दिन 13.5 करोड़ रुपये कमाए थे। अजित का एक्शन और फिल्म की रोमांचक कहानी दर्शकों को बेहद पसंद आ रही है।

इमरान खान ने पूर्व पत्नी अवंतिका मलिक से अलग होने पर तोड़ी चुप्पी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली।भिनेता इमरान खान ने हाल ही में अपनी पूर्व पत्नी अवंतिका मलिक से अलग होने की वजह बताई, जिसे सुनकर हर किसी को हैरानी होगी। कई सालों से फिल्म इंडस्ट्री से दूर रहने के कर पाए। इमरान ने कहा कि उन्होंने 19 साल की उम्र में अवंतिका के साथ सच्चे मन से रिश्ता शुरू किया था। लेकिन कम उम्र में बने रिश्तों में कई बार दोनों लोग एक साथ आगे नहीं बढ़ पाते।इमरान ने अपनी बेटी इमारा के साथ बहुत करीबी

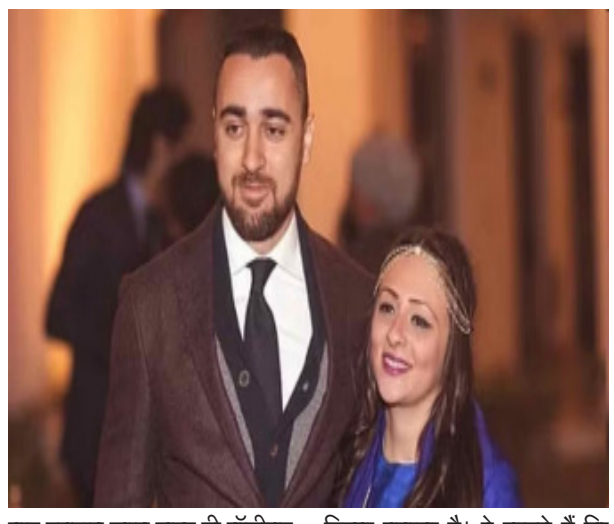

बाद इमरान खान जल्द ही बॉलीवुड में वापसी करेंगे, लेकिन उससे पहले उन्होंने अपनी पूर्व पत्नी अवंतिका मलिक से अलग होने की वजह बताकर हर किसी को हैरान कर दिया है।बॉलीवुड अभिनेता इमरान खान ने 2011 में अवंतिका से शादी की थी और 2014 में उनकी बेटी इमारा का जन्म हुआ। लेकिन 2019 में दोनों अलग हो गए। पिंकविला की एक रिपोर्ट के अनुसार, एक इंटरव्यू में इमरान ने बताया कि उनके रिश्ते में कई समस्याएं थीं, जिसकी वजह से वे एक-दूसरे को बेहतर जिंदगी बनाने में मदद नहीं रिश्ता बनाया है। वे चाहते हैं कि उनकी बेटी हमेशा सुरक्षित महसूस करे। इमरान ने बताया कि सोने से पहले के कुछ खास पलों में इमारा उनके साथ अपनी भावनाएं शेयर करती हैं। यह पल उनके लिए बहुत कीमती हैं। अब इमरान लेखा वाशिंगटन के साथ रिश्ते में हैं। दोनों को अक्सर साथ देखा जाता है और उनकी केमिस्ट्री लोगों का ध्यान खींचती है। हाल ही में दोनों ने शहर में एक साथ समय बिताया, जहां उनका प्यार सभी को साफ नजर आया।

रूमर्ड बॉयफ्रेंड ने किया नताशा हार्दिक के बेटे को किस, यूजर्स बोले- मामा है उसका

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। नताशा स्टेनकोविक और हार्दिक पांड्या के बेटे अगस्त्य का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, जिसमें वह उनकी देखभाल करते हुए नजर आ रहे हैं। इसके बाद नेटिजन्स ने अपनी प्रतिक्रिया देनी शुरू कर दी।शनिवार के साथ भी जुड़ चुका है। वह दिशा को डेट करने के लिए चर्चा में रह चुके हैं। यह अटकलें तब लगाई गईं थीं, जब उनका कथित तौर पर टाइगर श्रॉफ के साथ ब्रेक अप हुआ था। पिछले कुछ दिनों से वह नताशा के साथ कई मौंको पर देखे गए हैं। हालांकि, दिशा और नताशा दोनों

को नताशा स्टेनकोविक ने एक फैशन शो में रैंप वॉक किया। इस दौरान नताशा और हार्दिक के बेटे अगस्त्य और एलेक्जेंडर एलेक्स को दर्शकों के बीच में देखा गया। एलेक्जेंडर इस दौरान अगस्त्य की अपने बेटे की तरह देखभाल करते हुए नजर आए। अब यह वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी के साथ वायरल हो रहा है। इस बीच ऐसी अटकलें लगाई जा रही हैं कि एलेक्जेंडर और नताशा एक दूसरे को डेट कर रहे हैं। वहीं, वीडियो वायरल होने के बाद इंस्टाग्राम पर कुछ लोगों ने दावा किया कि वह अभिनेत्री के भाई हैं। वीडियो सामने आते ही सोशल मीडिया यूजर्स ने इस पर अपनी प्रतिक्रिया देनी शुरू कर दी। एक यूजर ने लिखा, 'मामा है उसका', एक अन्य यूजर ने लिखा, 'वह उसका बॉयफ्रेंड नहीं है, भाई है उसका' एक और ने लिखा, 'नताशा का भाई और दिशा पटानी का बॉयफ्रेंड।' एलेक्जेंडर एलेक्स का नाम पहले दिशा पाटनी ने ही उनके साथ अपने कथित रिश्ते के बारे में कोई बात नहीं की है हार्दिक पांड्या और नताशा ने साल 2020 में शादी की। इसी साल दोनों को एक बेटा हुआ। शादी के चार साल बाद 2024 में दोनों अलग हो गए। पिछले महीने नताशा का एक इंटरव्यू सामने आया, जिसमें उन्होंने प्यार पर खुलकर बात की। उन्होंने कहा, 'जैसा कि मैं आने वाले साल को देखती हूं, मैं निश्चित रूप से नए अनुभवों, अवसरों और शायद प्यार के लिए तैयार हूं। मैं प्यार में पड़ने के खिलाफ नहीं हूं। जीवन जो भी मेरे सामने लाता है, उसे अपनाना चाहती हूं। मेरा मानना है कि सही समय आने पर सही संबंध स्वाभाविक रूप से बनते हैं। मैं सार्थक रिश्तों को महत्व देती हूं, जो विश्वास और समझ पर आधारित होते हैं।' नताशा का यह इंटरव्यू जैसे ही वायरल हुआ। अटकलें लगाई जाने लगीं कि वह एलेक्जेंडर को डेट कर रही हैं।

गर्लफ्रेंड संग हाथों में हाथ डाले दिखे आमिर खान, अभिनेता ने किया कुछ ऐसा कि जीता फैंस का दिल

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। हाल ही बॉलीवुड अभिनेता आमिर खान एक इवेंट में पहुंचे, जहां वो अपनी गर्लफ्रें गौरी के साथ दिखे। दोनों का साथ में वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है अभिनेता आमिर खान ने अपने

60वें जन्मदिन पर गौरा स्प्रैट के साथ रिश्ते की पुष्टि की थी। अब ये दोनों साथ दिखे, जिस वजह से सोशल मीडिया पर इनकी जोड़ी छा गई है। एक इवेंट में दोनों साथ पहुंचे, जहां आमिर ने कुछ किया ऐसा की फैंस का दिल जीत लिया। देखें वायरल वीडियो। अभिनेता आमिर खान अपनी गर्लफ्रेंड गौरी स्प्रैट के साथ मकाऊ इंटरनेशनल कॉमेडी फेस्टिवल में शामिल हुए। इस मौके पर दोनों एक साथ पहुंचते हैं। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में यह देखा जा सकता है कि जैसे ही दोनों आते हैं, तो आमिर खान ने अपनी गर्लफ्रेंड की तरफ हाथ बढ़ाया और गौरी उनका हाथ थाम लेती हैं। इसके बाद दोनों तस्वीरें खिंचवाने लगते हैं। उनके साथ चीनी एक्टर शेन टेंग और मा ली भी थे।सोशल मीडिया पर इवेंट की कुछ तस्वीरें भी वायरल हो रही हैं, जिसमें आमिर खान, गौरी स्प्रैट, शेन टेंग और मा ली कैमरे पर एक साथ हाथ से दिल वाला आकार बना कर पोज देते दिख रहे हैं। तस्वीरों में सभी कलाकार हंसते नजर आ रहे हैं, जिसने फैंस को खुश कर दिया है। इस मौके पर आमिर ने काले रंग का कुर्ता और सफेद पायजामा पहना था, साथ ही उन्होंने अपने शरीर पर काले और सुनहरे रंग की शॉल भी लपेटी हुई थी।

प्रभास की फिल्म 'स्पिरिट' को लेकर आया बड़ा अपडेट

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। पैन इंडिया स्टार प्रभास की आगामी फिल्म 'स्पिरिट' को लेकर एक नया अपडेट सामने आया है, जिसमें छुपी है एक ऐसी जानकारी जो हर किसी को खुश कर देगी।साउथ अभिनेता प्रभास इन दिनों अपनी कई आगामी फिल्मों को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। वहीं उनकी फिल्म 'स्पिरिट' में प्रभास एक पुलिस अधिकारी के रोल में नजर आएंगे। आज फिल्म को लेकर एक नई अपडेट सामने आई है, जिसे सुनकर प्रभास के प्रशंसक जरूर खुश हो जाएंगे। प्रभास अभी 'राजा साब' और हनु राघवपुडी की फिल्म पर काम कर रहे हैं। उनके पास 'स्पिरिट', 'सालार 2', 'कल्कि 2' और प्रशांत वर्मा के साथ एक और फिल्म भी है। प्रशंसक 'स्पिरिट' को लेकर सबसे ज्यादा उत्साहित हैं, जिसका निर्देशन संदीप रेड्डी वांगा करेंगे। पिंकविला की एक खबर के मुताबिक, स्पिरिट की शूटिंग सितंबर या अक्टूबर 2025 में शुरू होगी। रिपोर्ट में कहा गया है कि संदीप वांगा इस फिल्म के जरिए पुलिस स्टाइल को नए तरीके से दिखाना चाहते हैं, जिसमें हीरो और विलेन की कहानी को खास अंदाज में पेश किया जाएगा।

'केसरी २' में नजर आएगा सी शंकरन नायर का साहस, इन फिल्मों में भी कही गई गुमनाम नायकों की कहानी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। सिनेमा के जरिए दर्शकों को ऐसी कहानियां भी जानने का

मौका मिलता है, जो किताबों में नहीं होती हैं। अब तक कई गुमनाम नायकों की कहानियों पर हिंदी फिल्में बन चुकी हैं। जानिए, ऐसी ही कुछ चर्चित हिंदी फिल्मों के बारे में, जिनमें गुमनायकों के साहस को दिखाया गया। जल्द ही अक्षय कुमार की फिल्म 'केसरी 2' रिलीज होगी। इस फिल्म में वकील सी शंकरन नायर की कहानी है। जलियांवाला बाग हत्याकांड में मारे गए लोगों को न्याय दिलाने के लिए सी शंकरन नायर ने ब्रिटिश सरकार के खिलाफ केस लड़ा। जिस दौर में भारत, ब्रिटिश सरकार के अधीन था, उस वक्त सी शंकरन ने अनन्याय के खिलाफ आवाज उठाई। अफसोस इस बात का है कि आज भी कई लोग सी शंकरन नायर के बारे में नहीं जानते हैं, अब फिल्म के जरिए उनके साहस की कहानी सामने आएगी। अक्षय कुमार की इस फिल्म से पहले भी कई ऐसी हिंदी फिल्में बनी हैं, जिनमें ऐसे ही गुमनायकों की कहानी सामने आईं। जानिए, ऐसी ही कुछ चर्चित फिल्मों के बारे में। अजय देवगन की फिल्म 'ताण्हा जी(2020)' के जरिए भी एक महान मराठा योद्धा की कहानी को दर्शकों ने देखा। छत्रपति शिवाजी महाराज की सेना के सबसे वीर योद्धा ताण्हा जी ने मुगलों से स्वराज पाने के लिए अपने प्राणों का बलिदान दिया। इस फिल्म को ओम राउत ने निर्देशित किया था। राम माधवानी निर्देशित फिल्म 'नीरजा(2016)' में सोनम कपूर ने मुख्य भूमिका निभाई। फिल्म की कहानी एयरहोस्टेस नीरजा के साहस, बलिदान की है। साल 1986 में एक प्लेन हाइजैक होकर कराची ले जाया जाता है। इस प्लेन में आतंकवादियों से लोगों की रक्षा करते हुए नीरजा मारी जाती हैं। नीरजा के कारण ही 359 लोगों की जान बच पाती है।

स्वात्वाधिसकसार एवं मुद्रक डा0 दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र.) 211002 से मुद्रित एवं सी-41 यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज। (उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।

सस्पादक/प्रकाशक डा0 पुनीत अरोरा

मो0न0-09415608710

RNI No. UPHIN/2015/63398

website:www.adhuniksamachar.com

नोट- इस समाचार पत्र मे प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हंतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा।